हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 143, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 23 नवम्बर, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

'सोनिया और राहुल गांधी पर हुई कार्रवाई तो झांकी है, पूरी पिक्चर अभी बाकी है' : केशव मौर्य

बोले- भाजपा सरकार बनने के बाद देश मे काफी कुछ बदला

शाहजहांपुर। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का काम कर रहे हैं। इसके लिए विपक्ष के भ्रष्ट नेताओं के घरों पर जब छापे पड़ते हैं तो उन्हें दर्द होता है। नेशनल हेराल्ड मामले में 750 करोड़ की संपत्ति जब्त हुई। सोनिया गांधी व राहुल गांधी पर हुई कार्रवाई अभी तो झांकी है, पूरी पिक्चर अभी बाकी है। केशव प्रसाद बुधवार को खुदागंज के उखरी गांव में आयोजित ग्राम चौपाल में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद देश मे काफी कुछ बदला। राम मंदिर, धारा 370 इसके उदाहरण हैं। कांग्रेस सरकार में सेना के हाथ बांध दिए गए थे। कहा जाता था सीमा पार से गोली चले तो दिल्ली से पूछकर जवाब देना। प्रधानमंत्री मोदी ने सेना का मनोबल बढ़ाया। आज सीमा पार से गोली चलती है तो इधर से गोला चलता है। इसके लिए दिल्ली में पूछने की आवश्यकता नहीं होती है। यह है बदलता भारत। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं व कार्यों को गिनाया। कहा कि सरकार शहर जैसी सभी सुविधाएं गांवों में देना चाहती है। इसमें ग्रामीणों को भी सहयोग करना होगा। तलाबों को बचाना होगा। पराली जलाने से बचना होगा। पंजाब में पराली जलाने के कारण दिल्ली का हाल सभी ने देखा है, लेकिन वहां की विज्ञापन वाली भृष्ट सरकार राहत दिलाने के लिए कुछ नहीं कर सकी। उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। गांव में कुछ देर रुकने के बाद वह कानपुर रवाना होंगे।

यूपी के पूर्व डीजीपी ने किया नई राजनीतिक पार्टी का एलान, लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी भी उतारेंगे

लखनऊ। यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने की आवाज बुलंद की है। इसके लिए उन्होंने बाकायदा बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। गठन के बाद पहली बार मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने इस क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। साथ ही कहा कि बुंदेलखंड राज्य में 15 जिले शामिल करने की मांग उठाई जाएगी। आगामी लोकसभा चुनावों में इन जिलों से पार्टी के प्रत्याशी भी मैदान में उतरेंगे। पूर्व डीजीपी ने बांदा में बस स्टैंड के पास एक होटल में प्रेसवार्ता की। कहा कि आज भी बुंदेलखंड में रोजगार के अवसर नहीं हैं। समय से सिंचाई न होने के कारण अन्नदाता की फसलें सूख रहीं है। मऊ और मरका पुल का निर्माण शुरू कराया गया लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में चले गए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए वह सक्रिय राजनीति में उतर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। बुंदेलखंड राज्य में वह यूपी के बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर जिले को शामिल करने का प्रयास करेंगे। मध्यप्रदेश के दमोह, पन्ना, छतरपुर, दतिया, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी और अशोकनगर को शामिल करने की मांग उठा रहे हैं।

विदेश मंत्री बिजनेस कॉन्क्लेव में बोले, नॉर्डिक-बाल्टिक के आठ देशों से बढ़ रहा भारत का जुड़ाव

नई दिल्ली। भारत अपनी विदेश नीति पर क्या सोचता है इसका साफ संकेत विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सीआईआई की तरफ से आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव में दिया। उन्होंने भारत और आठ नॉर्डिक बाल्टिक देशों के सम्मेलन में कहा कि भारत पिछले दो-तीन साल में इन देशों में कई दूतावास और वाणिज्य दूतावास की शुरूआत कर चुका है। दूसरे सीआईआई इंडिया नॉर्डिक बाल्टिक बिजनेस कॉन्क्लेव में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, "नॉर्डिक-बाल्टिक आठ (एनबी8) देशों के साथ हमारा जुड़ाव पिछले कुछ वर्षों में स्पष्ट रूप से बढ़ा है। हमने दिसंबर, 2021 में टालिन में अपना दूतावास खोला है।" विदेश मंत्री ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने इसी साल मार्च में पूर्वी यूरोपीय देश लिथुआनिया की राजधानी विनियस में भी दूतावास की शुरूआत की है। डॉ जयशंकर ने कहा, बहुत जल्द लातविया में एक निवासी भारतीय दूतावास खोला जाएगा। विदेश से भारत आने में भी दिलचस्पी बढ़ने का संकेत देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, फिनलैंड ने मुंबई में एक वाणिज्य दूतावास की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड के अलावा उत्तरी यूरोपीय देश- डेनमार्क जाने के लिए भी भारत से सीधी विमान सेवा शुरू हो चुकी है। यह दिखाता है कि भारत का नॉर्डिक बाल्टिक देशों के बीच संपर्क और गतिशीलता है। विदेश मंत्री ने कहा कि घनिष्ठ व्यवसायिक सहयोग के लिए भी एनबी8 देशों के साथ रूपरेखा पर मंथन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तरी यूरोपीय देश फिनलैंड के साथ भारत ने स्थिरता साझेदारी, डिजिटलीकरण और शिक्षा संवाद स्थापित किया है। डेनमार्क के साथ भारत की हरित रणनीतिक साझेदारी है। इसके अलावा दोनों देश मिलकर जल समाधान, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और कृषि में सहयोग को मजबूत और सुविधाजनक बना रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत उत्तरी अटलांटिक द्वीप समूह- फरो आइलैंड्स और उत्तरी अमेरिकी क्षेत्र- ग्रीनलैंड के साथ मजबूत सहयोग की आशा रखता है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, स्वीडन के साथ, उद्योग परिवर्तन पहल के लिए भारत के नेतृत्व में 18 देश और 19 प्रमुख वैश्विक कंपनियां शामिल हुई हैं। पिछले कुछ समय में इसका फल भी मिला है। उन्होंने बताया कि 260 से अधिक स्वीडिश कंपनियां भारत में नवाचार, निर्माण, रक्षा और स्वच्छ प्रौद्योगिकी में काम कर रही हैं। डॉ जयशंकर ने कहा कि भारत और आइसलैंड लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में भू-तापीय ऊर्जा के दोहन पर मिलकर काम कर रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत के लिए भी इसी तरह की परियोजनाओं की योजनाएं बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ठंडे और गर्म पानी में मत्स्य पालन में उत्कृष्ट योग्यता का लक्ष्य पाने के लिए केंद्र स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने समुद्री व्यापार के क्षेत्र में क्षमताओं को पहचाना है। जल आधारित कारोबार से जुड़ी अर्थव्यवस्था, पवन और भू-तापीय ऊर्जा की क्षमता का भरपूर इस्तेमाल किया जा सके, इसके लिए भारत और नॉर्वे के बीच भी मजबूत सहयोग किया जा रहा है।

जीतन राम मांझी ने सीएम नीतीश कुमार को बताया 'जनरल डायर', बोले- एक लाइन में खड़ा करके सबको गोली मार दो

पटना। बिहार में जहरीली शराब कांड पर सियासत गरमाई है। जहराली शराब कांड में हुई मौत को लेकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा है और उनकी तुलना जनरल डायर से कर दी। जीतनराम मांझी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि जहरीली शराब के नाम पर दलितों को थोड़ी-थोड़ी मौत क्यों बांट रहें हैं नीतीश जी? एक ही बार 'जनरल डायर' की तरह लाइन में खड़ा करके सबको गोली मार दिजिए, आपके नफरत का अंत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से हो रही मौत को नहीं रोक सकते तो शराबबंदी कानून का क्या मतलब है? कम से कम गुजरात से तो सबक लीजिए।

'राजनीति के राहु-केतु हैं कांग्रेस और गांधी परिवार', शाह बोले- देश पर आए ग्रहणों का कारण बनी पार्टी

पाली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के पाली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार भारत की राजनीति के राहु और केतु हैं। अमित शाह ने कहा, 'पीएम मोदी ने भारतीय संस्कृति को हमेशा सम्मान देने का काम किया है। सिर्फ राम मंदिर का निर्माण ही नहीं, औरंगेजब द्वारा तोड़ा गया काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक का निर्माण, सोमनाथ का मंदिर सोने का बन रहा है और बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम का भी पुनरुद्धार करने का काम किया है। अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार को राहु-केतु बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार भारत की राजनीति के राहु और केतु हैं। भारत के भविष्य पर जितने भी ग्रहण आए हैं, ये गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के कारण ही आए। अमित शाह ने राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यहां के 40 लाख युवाओं के साथ छल किया है। राजस्थान में सरकारी नौकरी के लिए भर्ती परीक्षा के जितने पेपर 5 साल में लीक हुए, उतने देश में कहीं नहीं हुए हैं। शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार तीन दीपावली आई हैं। एक दिवाली तो आपने मना ली है और दूसरी दिवाली राजस्थान में सरकार बनाकर मनानी है। जबकि तीसरी दिवाली अगले साल 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा होने पर मनानी हैं। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान की जनता ने गहलोत सरकार के पेपर लीक कर दिए हैं। 3 दिसंबर को कांग्रेस जा रही है और भाजपा आ रही है।

मुलायम सिंह के स्मारक शिलान्यास समारोह में पहुंचे अखिलेश, समाधि स्थल पर अर्पित की श्रद्धांजलि

इटावा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर भव्य स्मारक शिलान्यास समारोह को लेकर समाधि स्थल के पास सजे मंच में सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को पहुंचे। अखिलेश के साथ उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव व प्रोफेसर राम गोपाल यादव भी मौजदू हैं। अखिलेश समेत सभी परिवारीजन पास स्थित समाधि स्थल पर स्वर्गीय मुलायम सिंह को श्रद्धाजंलि अर्पित की। इसेक बाद अखिलेश, शिवपाल यादव व रामगोपाल यादव ने भव्य स्मारक का शिलान्यास हवन-पूजन किया। प्रदेश भर से समाजवादी कार्यकर्ता जुट रहे हैं। गायक कलाकार गीतों के माध्यम से नेताजी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। 80 करोड़ रुपये से यहां भव्य स्मारक बनाया जाना है। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने पत्रकारों से कहा कि हम लोग राम को मानने वाले हैं। कोर्ट का फैसला मानना पड़ता है। मुलायम सिंह ने कोर्ट के फैसले का अनुपालन कराया था, जो कारसेवकों पर गोली चली वह कोर्ट के फैसले का अनुपालन था।

आज लोग कोर्ट को नहीं मान रहे हैं। हम लोग भी राम को मानने वाले लोग हैं। मंदिर पर फैसला आया, हम लोगों ने स्वागत किया। बता दें समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव की याद में 80 करोड़ रुपये से सैफई में बनने जा रहे समाधि स्थल के पास से 8.3 एक-ड़ जमीन पर भव्य स्मारक प्रस्तावित है।

नौसेना के स्वदेशी पोत को बड़ी सफलता, पहले ही वार में मिसाइल नष्ट; समुद्र से पहली बार दागी गई ब्रह्मोस

नई दिल्ली। नौसेना ने एक बयान में कहा, भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक पोत- इम्फाल (यार्ड 12706) से निर्देशित प्रहार किया गया। समुद्र में अपनी पहली ब्रह्मोस फायरिंग में इम्फाल ने सटीक निशाना साधा। नौसेना की भाषा में इसे 'बुल्स आई' स्कोर करना कहा गया।

नौसेना के अनुसार, किसी जहाज के कमीशन होने/पूरी तरह सेना का हिस्सा बनने से पहले विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल का पहली बार परीक्षण किया गया है। बयान में कहा गया कि ऐसे अभ्यास से नौसेना संदेश देना चाहती है कि किसी भी हालात में लड़ाई के लिए नौसेना तैयार है। स्वदेशी पोत इम्फाल से मिसाइल नष्ट करने में मिली सफलता को रेखांकित करते हुए नौसेना ने कहा, इससे 'आत्मनिर्भर भारत' आह्वान के तहत बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता की भी पता चलता है। इम्फाल को अपने बेड़े में शामिल करने का फैसला दिखाता है कि नौसेना स्वदेशी हथियारों और प्लेटफार्मों की सुनिश्चित विश्वसनीयता पर अटूट फोकस कर रही है। जहाज को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के बाद नौसेना ने बीते 20 अक्तूबर को जारी एक बयान में कहा, जहाज का निर्माण स्वदेशी स्टील DMR 249A का उपयोग करके किया गया है। इम्फाल भारत में निर्मित सबसे बड़े विध्वंसक जहाजों में से एक बताया जा रहा है। इसकी कुल लंबाई 164 मीटर है। इम्फाल पोत की क्षमता के बारे में नौसेना ने बताया कि यह सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक 'ब्रह्मोस' मिसाइलों और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली 'बराक-8' मिसाइलों से लैस है। समुद्र के भीतर युद्ध क्षमता के लिए विध्वंसक जहाज में कई और भी सुविधाओं को जोड़ा गया है।

सीएम नीतीश कुमार कैबिनेट ने केंद्र को भेजी अनुशंसा, बिहार के आरक्षण को संविधान में जोड़ें

पटना। लोकसभा चुनाव दूर है, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह चुनावी मोड में हैं। जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट आने के 50 दिनों के अंदर आरक्षण का दायरा बढ़ा दिया। उसके अगले दिन सुबह में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग रखी। फिर बिहार कैबिनेट के जरिए बिहार की बात औपचारिक तौर पर संविधान तक पहुंचाने का फैसला लिया।

बिहार की नीतीश कुमार कैबिनेट ने बुधवार को अहम बैठक में बाकी फैसलों के साथ केंद्र पर दबाव बनाने का भी एक बड़ा फैसला लिया। राज्य कैबिनेट ने केंद्र सरकार के पास बिहार के बढ़े आरक्षण का विवरण संविधान की अनुसूची में शामिल करने के लिए भेजने पर सहमति भी बना ली।

बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक के द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से प्रस्ताव संख्या 37 में लिखा गया कि बिहार (शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में) आरक्षण अधिनियम 2003 बिहार अधिनियम 16/2003 एवं संशोधन अधिनियम 18/2023 को भारत के संविधान के अनुच्छेद 31 के अधीन भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु राज्य सरकार की अनुशंसा भेजने को स्वीकृति दी गई।

इसी तरह, प्रस्ताव संख्या 38 के तहत सामान्य प्रशासन विभाग ने बिहार पदों एवं सेवाओं की रिक्तियां में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्ग के लिए) अधिनियम 1991 यथा संशोधित बिहार अधिनियम 17/2002 एवं संशोधन अधिनियम 19/2023 को भारत के संविधान के अनुच्छेद 31 को के अधीन भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु राज्य सरकार की अनुशंसा भेजने की स्वीकृति दी जा रही है।

यूपी में रोडवेज संविदाकर्मियों के लिए खुशखबरी, दिसंबर से बढ़ेगी सैलरी, 30 हजार कर्मियों को होगा सीधा फायदा

लखनऊ। हर मौसम में यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने वाले रोडवेज के संविदा ड्राइवरों-कंडक्टरों का पारिश्रमिक बढ़ने जा रहा है। पहली दिसंबर से संविदा कार्मिकों को 14 पैसे प्रति किलोमीटर अधिक भुगतान मिलेगा। प्रदेशभर के 30 हजार से अधिक संविदा कार्मिकों के पारिश्रमिक में 700 से लेकर 1000 रुपये तक प्रतिमाह की बढ़ोतरी होगी। प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। परिवहन निगम में ड्राइवरों व कंडक्टरों का पारिश्रमिक फिर पुनरीक्षित किया गया है। उन्हें अभी तक 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान मिल रहा था, जिसे बढ़ाकर 1.89 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। ये बढ़ा भुगतान पहली दिसंबर 2023 से प्रभावी होगा। निगम की ओर से कहा गया है कि बढ़ोतरी उनके देय पारिश्रमिक राशि बेसिक में की गई है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि सामान्य ड्राइवरों व कंडक्टरों को माह में 5500 किलोमीटर की दूरी तय करना होता है, अब 14 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ने से उन्हें 700 से 800 रुपये अधिक मिलेंगे। ऐसे ड्राइवर व कंडक्टरों की संख्या प्रदेश में 19874 है, वहीं, उत्तम व उत्कृष्ट श्रेणी के

ड्राइवर व कंडक्टरों को 933 रुपये अब अधिक मिलेंगे। बस का संचालन किलोमीटर बढ़ने पर भुगतान में बढ़ोतरी होती जाएगी। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री गिरीश चंद्र ने रोडवेज के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी मांग पूरी हो गई है।

इन संविदा ड्राइवरों व कंडक्टरों को नहीं मिलेगा लाभ- नोएडा क्षेत्र की नगरीय बसें, इसी क्षेत्र की ग्रामीण सेवाएं व एनसीआर क्षेत्र के तहत कौशांबी, साहिबाबाद व लोनी डिपो, एनसीआर क्षेत्र के सभी डिपो की ग्रामीण सेवाओं में कार्यरत संविदा ड्राइवरों को, गोरखपुर क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट सोनौली, सिद्धार्थनगर, महराजगंज डिपो के संविदा ड्राइवरों और उपनगरीय सेवाओं के ड्राइवरों को बढ़ोतरी का लाभ नहीं मिलेगा। सेवा शर्तों में बदलाव परिवहन निगम ने उत्तम व उत्कृष्ट प्रोत्साहन योजना में ड्राइवरों को दो वर्ष व कंडक्टरों को चार वर्ष की निरंतर सेवा पर लाभ देने का आदेश दिया है। उत्कृष्ट के लिए 24 दिन ड्यूटी व 6000 और उत्तम योजना के लिए 22 दिन ड्यूटी व 5000 किलोमीटर माह में बस का संचालन जरूरी है, बाकी सेवा शर्तें यथावत हैं।

एंबुलेंस प्रकरण में एमपीएमएलए कोर्ट में पेश हुआ मुख्तार अंसारी, नहीं आया कोई गवाह

बाराबंकी। फर्जी कागजों से जिले के एआरटीओ कार्यालय में एंबुलेंस पंजीकरण कराने के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी व उसके दो साथी एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। एसीजेएम विपिन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की लेकिन कोई गवाह नहीं आया। सुनवाई करते हुए अदालत ने पेशी की अगली तिथि चार दिसंबर तय की है। पंजाब की रोपड़ जेल में बंद रहने के दौरान मुख्तार अंसारी पेशी पर जाने के लिए बाराबंकी में फर्जी कागजातों से पंजीकृत की गई एंबुलेंस का प्रयोग करता था। इस संबंध में 31 मार्च 2021 को तत्कालीन एआरटीओ पंकज कुमार सिंह ने मऊ के श्याम संजीवनी अस्पताल की संचालिका डॉ. अलका राय पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में मुख्तार अंसारी समेत 13 लोगों के नाम आरोप पत्र में शामिल किए थे। इसी के बाद सभी पर गैंगस्टर का केस दर्ज हुआ था। एमपी-एमएलए कोर्ट में मुख्तार अंसारी को बांदा जेल, जफर उर्फ चंदा को संतकबीरनगर जेल व अफरोज उर्फ चुन्नू को गाजीपुर जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किया गया। इस दौरान कोई गवाह उपस्थित नहीं हुआ। अदालत ने अगली पेशी की तारीख चार दिसंबर तय करते हुए गवाह मोबीन को तलब किया है।

संपादकीय

खसरे के खतरे से जूझ रहे दुनिया के साथ भारत के लिए भी चिंताजनक

इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा दौर में सामान्य से लेकर जटिल रोगों के इलाज और उससे पार पाने के तमाम उपाय चिकित्सा जगत निकाल रहा है। इसके बावजूद आज भी कई ऐसे रोग हैं, जिनसे लंबे वक्त से लड़ाई चल रही है। उनके उन्मूलन के प्रयास चल रहे हैं। मगर अक्सर कुछ बीमारियों के फिर से सक्रिय हो जाने का खतरा मंडराने लगता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ और अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र यानी सीडीसी की ताजा रिपोर्ट में यह सामने आया है कि खसरे के टीकाकरण में पिछले कुछ वर्षों की गिरावट के बाद 2022 में इस रोग के मामलों में अठारह फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर नब्बे लाख तक पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 और 2022 के बीच खसरे से होने वाली मौतों में तैंतालीस फीसद का इजाफा हुआ है। इसकी गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले साल इस रोग से एक लाख छत्तीस हजार लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। गौरतलब है कि एक विषाणु से होने वाले संक्रमण के लिहाज से खसरा अत्यधिक संवेदनशील रोग है। संक्रमित व्यक्ति की सांस, छींक या खांसी से निकलने वाली बूंदों से भी यह रोग तेजी से फैलता है। इससे मरीज की जान तक चली जाती है। सवाल है कि अचानक इस रोग के खतरा बन जाने के हालात कैसे पैदा हो गए, जबकि इससे निपटने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक तस्वीर दिखने लगी थी। इसे लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में खसरे के टीकाकरण की दर में काफी गिरावट दर्ज की गई थी। इसका कारण कोरोना महामारी और इससे उपजे हालात को माना जा रहा है, जिसमें अन्य बहुत सारे जरूरी कामों के साथ-साथ कई बीमारियों की रोकथाम के लिए समयबद्ध टीकाकरण का काम भी व्यापक पैमाने पर प्रभावित हुआ था। आमतौर पर खसरा के टीके की दो खुराक दी जाती है। 2021-22 के बीच लगभग 3.3 करोड़ बच्चे इससे वंचित रह गए, जिनमें से ज्यादातर को पहली और बहुत सारे बच्चों को दूसरी खुराक नहीं मिल पाई। जबकि माना जाता है कि इस रोग से लड़ने के लिए सबसे कारगर रास्ता टीकाकरण ही है। विडंबना है कि एक समय जहां इसके उन्मूलन को लेकर उम्मीदें जगने लगी थीं, वहीं पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसका खतरा तेजी से फैलने लगा है। 2021 में बाईस देशों में इसके असर का पता चला था, मगर 2022 में इसकी चपेट में आने वाले देशों की संख्या सैंतीस हो गई। इसका सीधा अर्थ है कि खसरे पर नियंत्रण पाने के दावों या कोशिशों के उलट इसका प्रकोप अब तेजी से फैलने लगा है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि जिन देशों में खसरा के नए मामले पाए गए हैं, वहां इसके उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिए जाने की बात कही गई थी या फिर वे इसके करीब थे। डब्लूएचओ के मुताबिक, भारत खसरा के मामलों में दुनिया भर में चौथे स्थान पर है। यहां ह्यमिशन इंद्रधनुषह्ल की मदद से सन 2023 तक खसरे को खत्म करने की बात कही गई थी। मगर फिलहाल जो हालात दिख रहे हैं, उसमें खसरे के खतरे से जूझ रहे दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ भारत के लिए भी एक नई चिंता उभर गई है।

सिलक्यारा सुरंग में खुदाई के दौरान कंपनी की ओर से जरूरी सुरक्षा इंतजाम नहीं करना सवालों के घेरे में

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में पिछले दस दिनों से फंसे इकतालीस मजदूरों से संपर्क होने के बाद उनके परिजनों तथा राहत और बचाव दल ने राहत की सांस ली है। सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और उन्हें भोजन-पानी पहुंचाने का इंतजाम कर दिया गया है। जल्दी ही उन्हें बाहर निकाल लाने का भरोसा बना है। जरूरी मशीनें मंगा ली गई हैं और सुरंग के अगल-बगल से खुदाई चल रही है। दरअसल, सीधी खुदाई करके मलबा हटाना जोखिमभरा काम था, इसलिए इस काम में काफी वक्त लग गया। दिवाली वाले दिन सुरंग में काम चल रहा था कि जमीन धंस गई और सुरंग में मलबा भर गया। तब दावा किया गया था कि एक-दो दिन में ही मजदूरों को बाहर निकाल लिया जाएगा, मगर दस दिनों तक कोई उपाय काम नहीं आया। जैसे-तैसे मजदूरों तक दवाएं और कुछ मेवे वगैरह पहुंचाए जा पा रहे थे। अब वहां तक एक पाइप डाल कर कैमरे के माध्यम से उनसे संपर्क हो पाया है और बचाव दल को वहां की सही स्थिति समझने में भी मदद मिल पा रही है। हालांकि इतने दिनों तक चली मशक्कत के बीच कई ऐसे सवाल भी उभरे हैं, जिनका जवाब शायद किसी के पास नहीं है। यों सुरंगों और खदानों में काम करना हमेशा जोखिमभरा होता है। पहले भी कई कोयला खदानों के धंस जाने या उनमें पानी भर जाने से मजदूरों के हताहत होने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। मगर जबसे इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस मशीनों का इस्तेमाल होने लगा है और सुरक्षा उपाय अधिक पुख्ता हो गए हैं, तबसे ऐसी घटनाएं कम ही सुनने को मिलती हैं। उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग बना रही कंपनी काफी अनुभवी है और इस तरह की कई परियोजनाओं पर पहले काम कर चुकी है। जाहिर है, उसके पास तकनीकी दक्षता है। मगर यह समझना अब भी मुश्किल है कि कैसे उसे पहाड़ धंसने की आशंका नहीं थी और वह सामान्य सुरंग बनाने के तरीके ही इस्तेमाल करती रही। जहां भी सुरंग की खुदाई होती है, वहां जमीन की प्रकृति का अध्ययन पहले किया जाता है। उत्तराखंड के पहाड़ों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वे इस कदर भंगुर हैं कि सामान्य से अधिक बारिश में भी धंसने लगते हैं। वहां जोशीमठ आदि में पहाड़ों के दरकने से किस तरह लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, वह भी किसी से छिपा नहीं है। फिर भी कंपनी ने जरूरी एहतियाती उपाय कैसे नहीं जुटाए। सुरंग धंसने के बाद अनेक तकनीकी पहलुओं पर भी चचाएं हो चुकी हैं, जिनमें कंपनी की तरफ से जरूरी अध्ययन और सुरक्षा इंतजाम न किए जा सकने की लापरवाहियों पर अंगुलियां उठी हैं। बाहरी दबाव को रोकने के लिए सीमेंट की जैसी मोटी परत बिछाई जानी चाहिए और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पहले ही जो पाइप डाली जानी चाहिए, उसके न होने को लेकर भी कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं। उम्मीद की जाती है कि इस परियोजना से जुड़े लोग इस घटना से सबक लेंगे और आगे किसी भी तरह की ऐसी घटना को रोकने का प्रयास करेंगे। अच्छी बात है कि मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तकनीकी उपाय जुटा लिए गए हैं और विशेषज्ञ दूसरे रास्तों से उन तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। इस समय तकनीकी जिस उन्नत अवस्था में है, उससे भरोसा बढ़ा है कि इस समस्या से जल्दी ही पार पा लिया जाएगा।

राजस्थान चुनावों में इस बार बुरी तरह लड़खड़ाता नजर आ रहा है तीसरा मोर्चा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता व स्टार प्रचारक लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व बड़े नेता लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। भाजपा जहां सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं कांग्रेस 199 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने भरतपुर सीट राष्ट्रीय लोक दल को गठबंधन में दी है।

जहां कांग्रेस व भाजपा पूरे जोश खरोश के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं तीसरी ताकत बनकर चुनाव परिणाम को बदलने का दावा करने वाले तीसरे मोर्चे के दलों की स्थिति कमजोर लग रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के नेता बड़े-बड़े दावे कर सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने की बात कह रहे थे। मगर मौजूदा चुनावी परिदृश्य को देखकर तो लगता है कि तीसरे मोर्चे के दल अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाने में ही नाकाम लग रहे हैं। तीसरे मोर्चे में शामिल बसपा, आप, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, एमआईएमआईएम, वामपंथी दल, हरियाणा की जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी व भारत आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पूर्व अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ने के बड़े-बड़े दावे किए थे। मगर चुनावी मैदान में इनमें से कोई भी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतर पाई है। पिछले चार चुनावों से प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही बहुजन समाज पार्टी ने भी 175 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस पार्टी के कई प्रत्याशियों ने तो कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में अपने नाम वापस ले लिए या फिर उनको अपना समर्थन दे दिया है। वहीं तिजारा से पार्टी ने इमरान खान को प्रत्याशी बनाया था। जिसने अंतिम समय में कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा पार्टी की जीत के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं मगर कैसे जीतेंगे इस बात का उनके पास कोई जवाब नहीं है।

बसपा सुप्रीमो मायावती भी चुनाव प्रचार में उतर चुकी हैं। उन्होंने पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर, झुंझुनू जिलों की कई विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं भी की हैं। बसपा के सामने सबसे बड़ा संकट पार्टी की साख को लेकर है। बसपा से 2008 व 2018 में 6-6 विधायक चुने गए थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी को धत्ता बता दिया था। इसलिए लोगों का मानना है कि यदि बसपा के प्रत्याशियों को जिता भी दिया तो वह पार्टी में रहेंगे इस बात की क्या गारंटी है। पिछली बार के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को 6 सीटें व 4.03 प्रतिशत मत मिले थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जहां पिछली बार 142 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं इस बार सिर्फ 88 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव से पहले तो अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राजस्थान में कई बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया था। मगर चुनाव अभियान के दौरान दोनों ही नेता अभी तक राजस्थान नहीं आये हैं। पिछले चुनाव में आप पार्टी के सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। आप को सिर्फ 68051 वोट मिले थे। नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। मगर चुनाव में उन्होंने सिर्फ 78 सीटों पर ही प्रत्याशी उतारे हैं और उत्तर प्रदेश की आजाद समाज पार्टी कांशीराम के साथ गठबंधन किया है। जिसके अध्यक्ष चंद्रशेखर स्वयं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सीट से चुनाव में बुरी तरह हार चुके हैं। उन्हें मात्र 7640 वोट ही मिले थे। हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। यहां तक कि पिछले साल सरदार शहर उपचुनाव में 46000 वोट लेने के उपरांत भी उन्होंने वहां से अपने प्रत्याशी का नामांकन फॉर्म वापस करवा दिया था।

पिछले विधानसभा चुनाव में बेनीवाल की पार्टी से 58 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें तीन जीतने में सफल रहे थे वहीं 48 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। बेनीवाल की पार्टी को 856038 यानी 2.40 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार बेनीवाल सांसद रहते स्वयं खीवसर से अपने भाई नारायण बेनीवाल के स्थान पर चुनाव लड़ रहे हैं। आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी नामक नई पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीट जीती थी। उनके आठ प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। तब पार्टी ने 255100 यानी 0.72 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। इस बार भारतीय ट्राइबल पार्टी का विभाजन हो गया और इससे टूटकर बनी भारत आदिवासी पार्टी ने 27 व भारतीय ट्राइबल पार्टी ने 17 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएमआईएम पार्टी के सिर्फ 10 प्रत्याशी ही खड़े हुए हैं। जबकि चुनाव से पहले ओवैसी 40 से 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। चर्चा है कि ओवैसी को 10 सीटों पर भी मुश्किल से ही प्रत्याशी मिल पाए हैं। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दातारामगढ़ सीट पर कांग्रेस के मौजूदा विधायक वीरेंद्र चौधरी के सामने उनकी पत्नी रीटा चौधरी ने जननायक जनता पार्टी से खड़ी होकर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है। राजस्थान में वामपंथी दलों की स्थिति भी कोई ज्यादा अच्छी नहीं है। पिछली बार दो सीटों पर जीतने वाली माकपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में माकपा ने 28 व भाकपा ने 16 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। जिनमें माकपा के दो प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल रहे थे। मगर इस बार माकपा व भाकपा के प्रत्याशियों की स्थिति ज्यादा सुदृढ़ नजर नहीं आ रही है। राजस्थान में कांग्रेस व भाजपा के अलावा अन्य सभी दलों के नेता अपने आप को तीसरा मोर्चा कलवाना पसंद करते हैं। हालांकि तीसरे मोर्चे के दलों में भी आपस में सामंजस्य नहीं है। वे एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव से पहले यह प्रदेश में सत्ता बनाने के बड़े-बड़े दावे करते रहे हैं। चुनावी मैदान में उनकी स्थिति को देखकर उस लंगड़े घोड़े की याद आती है जो रेस में तो शामिल हो जाता है मगर कभी जीत नहीं पाता है।

चुनावी राज्यों में 245 करोड़ रुपये से ज्यादा मादक पदार्थों की बरामदगी चिंता का विषय

संतोष पाठक

चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर यह एलान किया है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम- इन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से इन चुनावी राज्यों में 1760 करोड़ रुपये से अधिक की कैश रकम, शराब, मादक पदार्थ और अन्य कीमती सामान पकड़ा गया है। इस बात में किसी को कोई शक कतई नहीं होगा कि इस भारी-भरकम कैश, शराब, मादक पदार्थों और कीमती वस्तुओं का इस्तेमाल चुनाव में मतदाताओं को लुभाकर वोट हासिल करने के लिए ही किया जाना था। चुनाव आयोग द्वारा दिया गया बरामदगी का विस्तृत डेटा चौंकाने से ज्यादा चिंता पैदा करता है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 2018 के राज्य विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार चुनावी राज्यों में बरामदगी में सात गुना से ज्यादा की वृद्धि दर्ज हुई है और चुनाव के आखिर तक अभी इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी होने की संभावना है।

चुनाव में शराब बांटने का प्रचलन बहुत पुराना है और इस बार भी इसमें कोई कमी नहीं आई है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, इस बार के विधानसभा

चुनाव में अब तक सबसे ज्यादा 86.82 करोड़ रुपये की शराब तेलंगाना में जब्त की गई है। दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश है जहां से 69.85 करोड़ रुपये की शराब जब्त की गई है। राजस्थान में अब तक 51.29 करोड़ रुपये की शराब जब्त की जा चुकी है और यहां यह आंकड़ा अभी और ज्यादा बढ़ना तय है। क्षेत्रफल के आधार पर पांचों राज्यों में सबसे छोटे राज्य मिजोरम में 4.67 करोड़ रुपये की शराब जब्त की गई है और इस मामले में छत्तीसगढ़ सबसे नीचे है जहां से 2.16 करोड़ रुपये की कीमत की शराब जब्त की गई है। लेकिन सबसे ज्यादा चिंताजनक बात इन राज्यों से बरामद किए गए ड्रग्स जैसे मादक पदार्थों का आंकड़ा हैं। चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए ड्रग्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, यह अपने आप में भारतीय लोकतंत्र, चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों पर कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक, इस बार के विधानसभा चुनाव में अब तक सबसे ज्यादा 103.74 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ तेलंगाना में जब्त की गई है। दूसरे नंबर पर राजस्थान है जहां से 91.71 करोड़ रुपये की कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। मादक पदार्थों की जब्ती के मामले में तीसरे नंबर पर मिजोरम है जो क्षेत्रफल के आधार पर पांचों चुनावी राज्यों में सबसे छोटा राज्य है। मिजोरम में 29.82 करोड़ रुपये की कीमत का मादक पदार्थ जब्त किया गया है। मध्य प्रदेश में 15.53 करोड़ रुपये और छत्तीसगढ़ में 4.55 करोड़ रुपये की कीमत का मादक पदार्थ जब्त किया गया है।

पांचों चुनावी राज्यों में कुल मिलाकर 214.8 करोड़ रुपये की शराब जब्त की गई है जबकि इससे ज्यादा 245.3 करोड़ रुपये के मादक पदार्थों की जब्ती की गई है। यहां यह भी ध्यान रखना होगा कि, यह वह आंकड़ा है जो चुनाव आयोग के अधिकारियों और टीम ने जब्त किया है और यह माना जाता है कि इससे कई गुना ज्यादा निश्चित तौर पर बंटा होगा। यानी यह समस्या बहुत विकराल है। ऐसे में किसी न किसी को तो पहल कर इसपर रोक लगाने के लिए आगे बढ़ना ही होगा। तमाम राजनीतिक दलों को भी मिल-बैठकर यह तो सोचना ही चाहिए कि आखिर मतदाताओं को लुभाने की कोई तो सीमा होनी चाहिए क्योंकि चुनाव में वोटरों को लुभाने कर लिए शराब के साथ-साथ ड्रग्स तक का इस्तेमाल किया जा रहा हो, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ और हो नहीं सकता। अगर राजनीतिक दल स्वेच्छा से इस पर कदम आगे नहीं बढ़ाते हैं तो फिर चुनाव आयोग को खुद से आगे बढ़कर इस पर कदम उठाना चाहिए या फिर सुप्रीम कोर्ट को इसका स्वतः संज्ञान लेकर सबको नोटिस जारी कर, सुनवाई करने के बाद कठोर नियम या कानून बनाना चाहिए।

खत्म नहीं हुई है गहलोत और वसुंधरा की राजनीति, सीएम पद हासिल करने के लिए दोनों ने बनाई है रणनीति

नीरज कुमार दुबे

राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी इस बात के लिए पूरी मेहनत कर रही है कि राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार टूट जाये। वहीं भाजपा का प्रयास है कि हर पांच साल में सरकार बदलने के रिवाज का उसे लाभ हो लेकिन सीटों की संख्या इतनी ज्यादा मिले जिससे यह प्रकट हो सके कि अशोक गहलोत सरकार से जनता कितनी नाराज थी। राजस्थान में रिवाज बदलेगा या राज यह तो तीन दिसंबर को पता चलेगा। लेकिन एक बात तो है कि राजस्थान का चुनावी रण इस बार हाल के कई चुनावों से बदला-बदला नजर आ रहा है। राजस्थान में अरसे बाद ऐसा हुआ है जब भाजपा और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह चुनाव से पहले तय नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे यह मान कर बैठे हैं कि मुख्यमंत्री पद घूम फिरकर उनके पास आना ही है। कांग्रेस की ही बात करें तो अशोक गहलोत स्पष्ट कर चुके हैं कि वह तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह पद उन्हें नहीं छोड़ता। यानि मतलब साफ है कि गहलोत मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं सचिन पायलट कह रहे हैं कि उनके सारे मुद्दे कांग्रेस आलाकमान ने सुलझा दिये हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि उन्हें यह आश्वासन मिल गया है कि यदि कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो मुख्यमंत्री पद उन्हें ही मिलेगा। टिकट वितरण के दौरान भी जिस तरह गहलोत समर्थकों की बजाय सचिन खेमे के लोगों को तरजीह दी गयी उससे भी भविष्य के संकेत मिल गये थे लेकिन गहलोत फिलहाल सबकुछ चुपचाप देख रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें कब कौन-सा कदम उठाना है।

दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो 2003 के बाद यह राजस्थान का पहला विधानसभा चुनाव है जिसमें भाजपा का नेतृत्व वसुंधरा राजे नहीं कर रही हैं। वसुंधरा राजे का नाम भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं आना, परिवर्तन यात्राओं का नेतृत्व उन्हें नहीं दिया जाना, वसुंधरा समर्थक नेताओं कैलाश मेघवाल और युनूस खान जैसे वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना तथा वसुंधरा समर्थक कुछ विधायकों की सीटों में परिवर्तन कर भाजपा नेतृत्व ने संकेत दे दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी वसुंधरा राजे से दूर हो गयी है। यही नहीं, भाजपा की पहली सूची आने के बाद जिस तरह वसुंधरा राजे को खुद का टिकट हासिल करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी और एक जनसभा में अपनी रिटायरमेंट की बात तक कहनी पड़ी, वह दशार्ता है कि अपने राजनीतिक भविष्य का वसुंधरा राजे को अहसास हो चुका है लेकिन वह हार मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भले हों लेकिन दोनों को अच्छा मित्र भी माना जाता है। चुनाव के दौरान दोनों भले एक दूसरे पर निशाना साधें और भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगायें लेकिन अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान दोनों एक दूसरे के खिलाफ कोई जांच नहीं कराते। यही नहीं, जब वसुंधरा विपक्ष में हों तब वह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी पार्टी की वजह से गहलोत की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई संकट नहीं आये। यही काम गहलोत विपक्ष में रहने के दौरान करते हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने खुद बताया था कि जब सचिन पायलट ने बगावत की थी तो वसुंधरा राजे ने भाजपा की ओर से उनकी सरकार गिराने की कोशिशों का विरोध किया था। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की राजनीतिक शख्सियत की बात करें तो दोनों नेताओं के आगे उनकी पार्टी का आलाकमान अब तक नतमस्तक होता रहा है। अशोक गहलोत का प्रभाव तब देखने को मिला था जब उन्होंने सचिन पायलट का साथ दे रहे कांग्रेस आलाकमान के समक्ष अपनी ताकत का खुलकर इजहार किया था। कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पार्टी विधायक दल की बैठक होने का इंतजार करते रह गये और बैठक कहीं और हो गयी थी। यही नहीं अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने को तवज्जो देकर गांधी परिवार को सकते में डाल दिया था। वहीं राजस्थान भाजपा में भी 2003 से वही होता रहा है जो वसुंधरा राजे चाहती रही हैं। वसुंधरा राजे के खिलाफ पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जैसे दिग्गजों ने भी अभियान चलाया था लेकिन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे। किरोड़ी लाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेता वसुंधरा विरोध में भाजपा छोड़ गये लेकिन फिर वापस पार्टी में लौटना ही पड़ा। देखा जाये तो चाहे नेता प्रतिपक्ष का पद हो, मुख्यमंत्री पद हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद हो... भाजपा को आखिरकार वसुंधरा राजे की ही बात माननी पड़ती थी लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। बहरहाल, चाहे गहलोत हों या वसुंधरा, दोनों ही नेताओं की राजनीति को अभी खत्म नहीं समझा जा सकता। दोनों ही राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। दोनों ही नेता चुनावों की वजह से अभी ज्यादा बोल नहीं रहे हैं और आक्रामक तेवर नहीं दिखा रहे हैं लेकिन दोनों ही नेता जानते हैं कि अपनी अपनी पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद तक कैसे पहुँचना है। दोनों ही नेता इसके लिए जमीनी स्तर पर काम भी कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे की मुश्किल उतनी नहीं बढ़ा रहे हैं जितनी मुश्किल इन दोनों ही पार्टियों के बागी नेता, अधिकृत उम्मीदवारों की बढ़ा रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवारों को खड़ा करने के पीछे कहीं ना कहीं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का ही हाथ है। दोनों नेताओं की रणनीति यह है कि उनकी पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करने से कुछ पीछे रह जायें। यदि ऐसी स्थिति बनती है तो वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत को अपना राजनीतिक कौशल दिखाने का मौका एक बार फिर मिलेगा और अब सिर्फ यही वह रास्ता है जो उन्हें मुख्यमंत्री पद तक पहुँचा सकता है। देखना होगा कि वसुधंरा और गहलोत की यह आस पूरी होती है या फिर राजस्थान की जनता स्पष्ट बहुमत वाला जनादेश देती है। फिलहाल तो गहलोत और वसुंधरा का पूरा जोर अपनी अपनी सीट जीत कर विधानसभा पहुँचने पर लगा हुआ है।

भारत संकल्प यात्रा के दौरान निपुण बच्चे हुए सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बुधवार को पिंडरा विकास खण्ड के गरखड़ा व जाठी में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभाग द्वारा योजनाओं के बाबत स्टॉल लगाए गए। योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा योजनाओं से वंचित लोगों को आच्छादित करने के लिए 15 नवम्बर से 26 जनवरी 24 तक चलने वाली यात्रा के पड़ाव के तहत गरखड़ा व जाठी में आयोजित जन चौपाल में सभी विभागों ने अपने विभाग से सम्बंधित सरकारी योजनाओं के बाबत जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया। जिसमें आयुष्मान कार्ड,आवास, राशन कार्ड, विधवा व वृद्धा पेंशन से वंचित लोगों की सूची बनाई गई। जिसमें विकास, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, बाल विकास विभाग समेत दर्जन भर विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान गरखड़ा व जाठी के निपुण हुए छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस बाबत बीडीओ छोटेलाल तिवारी ने बताया कि योजनाओं से वंचित पात्र लोंगो को सूचीबद्ध कर 31 दिसम्बर तक उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। इस दौरान सीडीपीओ आर एन सिंह, बीईओ देवीप्रसाद दुबे, एडीओ पंचायत अशोक चौबे, एडीओ कैलाश यादव, केशव यादव, प्रियंका मिश्रा , ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह देव समेत अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बुढ़ापे की लाठी का सहारा पुरानी पेंशन के लिए करेंगे हड़ताल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूरे देश का कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर विकेट 10 वर्षों से आंदोलनरत है` पुरानी पेंशन में कर्मचारियों के 60 वर्ष की अधिवक्ता आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्ति के फल स्वरुप आधे वेतन की राशि पेंशन के रूप में स्वीकृत की जाती रही है परंतु नई पेंशन योजना में वह सुविधाएं नहीं प्राप्त हो रही है जो पुरानी पेंशन में प्राप्त होती रही है नई पेंशन योजना से कर्मचारियों को बहुत ही आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त बातें शशिकान्त श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, जिला संयोजक पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच ने कहा और बताया कि भारत सरकार के जनवरी 2004 और उत्तर प्रदेश सरकार के अप्रैल 2005 से नियुक्त कर्मचारी जो अब सेवानिवृत हो रहे हैं उन्हें नई पेंशन योजना लागू की गई है सेवानिवृत के फलस्वरूप तीन हजार भी पेंशन नहीं मिल पा रहा है इस कारण कर्मचारी पुरानी पेंशन को बुढ़ापे के लाठी का सहारा मानते हुए आन्दोलनरत है अब आर पार की लड़ाई के लिए तैयार है अब चाहे भारत सरकार का कर्मचारी हो या उत्तर प्रदेश सरकार का हर अधिकारी और कर्मचारी यह मानने को तैयार है की नई पेंशन योजना लाभदायक नहीं है। अपेक्षाकृत पुरानी पेंशन व्यवस्था के इसके लिए कर्मचारियों द्वारा लखनऊ से लेकर दिल्ली तक रैली किया जा चुका है और ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति जी का भी ध्यान आकर्षण कर चुका है लेकिन सकारात्मक परिणाम नहीं दिख रहे हैं इस कारण सभी श्रमिक संगठनों को अब हड़ताल की घोषणा के अलावा कोई चारा नहीं रह गया है जिसके लिए कर्मचारियों द्वारा सहमति पत्र भरवाया जा रहा हैं और वही भारत सरकार के कर्मचारियों द्वारा गुप्त मतदान कराए जा रहे हैं यदि कर्मचारियों की सहमति 50 प्रतिशत से ऊपर होती है तो हड़ताल की घोषणा की जाएगी जिसके क्रम में आज सिंचाई विभाग कॉलोनी में काफी संख्या में कर्मचारियों ने सहमति पत्र भरा जिसमें महिलाओं ने भी बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया।

संक्षिप्त खबरें

गश्त के दौरान 50 करोड़ की चरस बरामद 3 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। जनपद महाराजगंज के थाना क्षेत्र कोल्हई के पुलिस बल द्वारा गस्त के दौरान दो संदिग्ध लग्जरी कार की चेकिंग के दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ (चरस) के साथ तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया ।एडिशनल एसपी आतिश कुमार सिंह ने बताया कि अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बीती रात कोल्हई थाना क्षेत्र में पुलिस बल द्वारा गस्त के दौरान संदिग्ध दो लग्जरी कारों को रोक कर चेकिंग किया गया इस दौरान भारी मात्रा मे मादक पदार्थ (चरस) पुलिस के हाथ लगी। जिसका वजन लगभग 88.5 किलोग्राम था।पुलिस बल द्वारा मादक पदार्थों को अपने कब्जे में लेते हुए तीन अभियुक्तो को दो लग्जरी कार के साथ गिरफ्तार किया ।उन्होंने बताया कि इस मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत लगभग 50 करोड़ आंकी जा रही है तीनों अभियुक्तियों से पूछताछ के दौरान पता चला दो गोरखपुर के निवासी हैं और एक सहजहांपुर का निवासी है पकडे गये अभियुक्त ने बताया कि हम लोग कोरियर का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि जांच पडताल मे अभी इसके मास्टर माइंड का पता नहीं चला है एक कार लखनऊ तथा एक गाजियाबाद की कार हैं जांच प्रक्रिया चल रही है तथा विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

एसडीएम नेहा मिश्रा ने इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर मारा छापा, 31 अवैध गैस सिलेंडर बरामद

प्रखर चंदवक जौनपुर। केराकत तहसील क्षेत्र में अवैध रूप से गैस सिलेंडर बेचे जाने की मिल रही शिकायत का संज्ञान लेते हुए चंदवक थाना क्षेत्र के खुज्झी मोड़ स्थित अंकुर इलेक्ट्रॉनिक किचन शॉप पर एसडीएम नेहा मिश्रा ने छापा मार कर भरा व खाली 31 अवैध गैस सिलेंडर बरामद किया।दुकान पर छापेमारी की सूचना पर बाजार में अफरा तफरी का माहौल था।एसडीएम नेहा मिश्रा ने खुज्झी मोड़ स्थित अंकुर इलेक्ट्रॉनिक किचन शॉप पर पूर्ति निरीक्षक डोभी अशोक कुमार संग छापा डाला।इस दौरान भारत गैस इंडेन गैस व रिलायंस के खाली व भरे 31 गैस सिलेंडर बरामद हुए।जो अवैध है।बताया कि द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनिमय आदेश) 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन के क्रम में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कर विधिक कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम नेहा मिश्रा ने कहा अवैध गैस सिलेंडर रखे जाने की समय समय पर जांच चलती रहेगी। मिलने पर कार्यवाही भी की जाएगी।

सेमरियावां के जुबैर अहमद को मिली मोदी मित्र गोरखपुर परिक्षेत्र के उप प्रभारी की नई जिम्मेदारी, बधाई देने वालो का लगा ताता

संतकाबीरनगर। पसमादा महाज समाज के जिला उपाध्यक्ष जुबैर अहमद को गोरखपुर परिक्षेत्र के लिए मोदी मित्र उप प्रभारी बनाए जाने से उनके समर्थकों तथा चाहने वालो में खुशी की लहर हैं । भारतीय जनता पार्टी के लिए तथा देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आदर्श मानते हुए देश के लिए कुछ अच्छा करने के जज्बे ने जुबैर अहमद को नित नई ऊंचाइयों के तरफ अग्रसर हैं क्षेत्र के लोगों का भी समर्थन उनके साथ भरपूर है एक पैर से विकलांग जुबेर अहमद जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर अल्पसंख्यक तथा मुस्लिम वर्ग के लिए दिन रात मेहनत करते रहते हैं वो काबिले तारीफ हैं ऐसा लोग बताते हैं ।जनहित से जुड़े मुद्दे हो या समाज में अंतिम छोर पर बसने वाले गरीबों की लड़ाई लड़ते रहते हैं । जनता के बुनियादी जरूरतों के लिए दिन हो या रात कबी पीछे मुड़ कर नहीं देखा। जिसका परिणाम हैं की इन्हे लोगो के प्यार और स्नेह के रूप मिल रहा हैं । जुबैर अहमद के इस मेहनत व निस्वार्थ भाव के सेवा का फल हैं की आज मोदी मित्र गोरखपुर परिक्षेत्र के लिए उप प्रभारी के पद से नवाजा गया हैं जिससे उनके शुभ चिंतकों ,समर्थकों को खुशी का माहौल ब्यापत हैं । वही इस खुशी के मैके पर मोदी मित्र गोरखपुर परिक्षेत्र के उप प्रभारी जुबैर अहमद नेबताया की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विश्वास पर में खरा उतरने का मैं पूरा पूरा कोशिश करूंगा । आगामी 2024 के लोक सभा चुनाव में पूरे जी जान के साथ लोगो को बीजेपी के नीति नियमो से अवगत करते हुए पुनः एक फिर मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने मेरी ऐसी सोच हैं तथा कमाना हैं ।सभी लोगो का में दिल से धन्यवाद देता हु ।सबका आभार व्यक्त करता हु ।स्वागत कार्यक्रम के दौरान एजाज अहमद,अल्ताफ हुसैन,मोहमद हुसैन, अली जान,जफर हुसैन,नफीस अहमद,मोहमद अनस, ओहबुद्दीन,राम मिलन,संजय कुमार,अंगद कुमार आदि लोग भरी संख्या में मौजूद रहे।

जय श्री कृष्णा फाउंडेशन द्वारा नाना पाटेकर का काशी में सम्मान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन द्वारा मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर का सम्मान व शिष्टाचार मुलाकात किया गया` डॉ रति शंकर त्रिपाठी के नेतृत्व में संस्था संस्थापक संजीव अग्रवाल ने अंगवस्त्रम से उनका सम्मान किया अरविंद जैन व दिव्या शर्मा ने स्मृति चिन्ह भेट किया माधव पटेल एवं अनिल केसरी ने रुद्राक्ष की माला से उनका सम्मान किया` राकेश और दिव्या अग्रवाल की एनिवर्सरी का केक काटकर सेलिब्रेशन भी किया गया। नाना पाटेकर का उद्बोधन अत्यंत सारहनिय रहा` प्रदीप मल्होत्रा, बृजेश लोड, मीतेश शाह, आयुष बूबना, रूबी शाह, जितेंद्र मोहले, आशुतोष गुप्ता, रमेश सेठ, अभिषेक सराफ, किशोर खंडेलवाल आदि सदस्य मौजूद रहे।

शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि देकर मनाया सातवां शहादत दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बद्धुपुर के नोनियापुर निवासी मनोज सिंह कुशवाहा का बुधवार को सातवां शहादत दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि उमाशंकर कुशवाहा ने शहीद के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 22 नवंबर 2016 को माछिल सेक्टर में मातृभूमि की रक्षा करते हुए मनोज कुशवाहा शहीद हो गए। सरकार से शहीद के परिवार की मांग थी की परिवार के एक सदस्य को नौकरी, शहीद पार्क का निर्माण, शहीद के पैतृक गांव को जोड़ने वाली सड़क को शहीद के नाम से दर्ज करने व पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी देकर शहीद के पत्नी और बच्चों को सामाजिक सम्मान और भविष्य के लिए आर्थिक मदद की व्यवस्था कराना था। लेकिन जिस तरह से सरकार ने वादाखिलाफी की वह निंदनीय है।

दहेज प्रताड़ना व छेड़खानी में ससुर को मिली जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दहेज के लिए बहू को मारने-पीटने, प्रताड़ित करने और उसके साथ छेड़खानी करने के मामले में ससुर को जमानत मिल गयी` अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम) उज्जवल उपाध्याय की अदालत ने हरदासीपुर, चोलापुर निवासी ससुर बृजेश सिंह को 25-25 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव व बृजेश सोनकर ने पक्ष रखा` अभियोजन पक्ष के अनुसार शिवपुर के जानकी धाम कॉलोनी निवासी वादिनी स्वप्निल उर्फ नेहा सिंह ने 28 सितम्बर 2020 को चोलापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी आरोप था कि उसकी शादी 24 नवंबर 2013 को हरदासीपुर, चोलापुर निवासी सुमंत सिंह के साथ हुई थी` शादी के बाद जब वह विदा होकर अपने ससुराल गयी तो कुछ दिनों बाद ही ससुर बृजेश सिंह, सास पूनम सिंह, ननद प्रेमलता उर्फ पम्मी व पूजा सिंह, ननदोई मिथिलेश सिंह व देवर सुमित सिंह कम दहेज लाने का ताना देते हुए प्रताड़ित करने लगे कुछ दिनों बाद सभी मिलकर उसको गालियां देते हुए मारने-पीटने व प्रताड़ित करने लगे साथ ही उसके पति सुमंत सिंह को भी ससुर ने इतना मारा पीटा की वह डिप्रेशन का मरीज हो गया` इस पर जब वह अपने मायके आ गयी तो फरवरी 2020 में मायके आये और वहां भी गालियां देने लगे और जान से मारने की धमकी देने लगे साथ ही ससुर एक दिन घर मे अकेला पाकर कमरे में घुस आए और अश्लील हरकतें करने लगे किसी तरह शोर मचाने पर और वहां से भागकर उसने अपनी इज्जत बचाई` अदालत ने पत्रावली के अवलोकन के बाद आरोपित को जमानत दे दी।

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी गाजीपुर के तत्वावधान में जिला एवं विधानसभा स्तर पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक, देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के संरक्षक रहे श्रृद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती पर माल्यार्पण, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई । इसी कड़ी में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर भी माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व सभी कार्यकताओं ने नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलकर इस देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने और साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों के खिलाफ अनवरत संघर्ष करने का संकल्प लिया।

शहीद रामउग्रह पाण्डेय के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर हुई साफ-सफाई

प्रखर जखनिया गाजीपुर। सेना के सर्वोच्च द्वितीय सम्मान महावीर चक्र से सम्मानित ऐमावंशी ग्राम निवासी शहीद रामउग्रह पांडेय के शहादत दिवस के पूर्व संध्या पर जखनियां रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा कि साफ सफाई भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा के नेतृत्व में भूतपूर्व सैनिकों के साथ किया गया। 23 नवंबर को उनकी 52वीं शहादत दिवस को जखनिया रेलवे परिसर प्रांगण में मनाया जाएगा। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा देश पर बलिदान हुवे शहीद हमारे पूज्यनीय है। सेना के जवानों से युवाओ कि मिलती है प्रेरणा। 1971 में पाक जंग में तीन बकरों का नेश्ता नाबूत कर देने वाले पाक की जंग में जीत की पटकथा लिखने वाले अपने अदम्य साहस वीरता और पराक्रम के बल पर महागाथा लिखने वाले अपने जखनियां तहसील ऐमावंसी ग्राम के निवासी शहिद राम उग्रह पांडेय ने जो बलिदान दिया वह जीवन भर अविस्मरणीय रहेगा। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान कैक्कस लिली में पूर्वी सीमा पर मोरपाड़ा में 23 नवंबर 1971 की रात अपने पराक्रम से स्वर्गीय राम उग्रह पांडेय ने दुश्मन के तीन बकरों को नेश्ता नाबूत कर दिया था, इससे बौखलाए पाकिस्तान फौज ने भारी गोलाबारी की इसके बावजूद वह दुश्मनों के दांत खट्टे करते हुए शहीद हो गए। देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहिद राम उग्रह पांडेय को मरणोपरांत सेना के महान पदक महावीर चक्र से भी नवाजा गया। उनके हर शहादत दिवस पर भाजपा कार्यकताओं एवं क्षेत्र की गणमान्य जनता द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया जाता है। वही दबी जुबान से क्षेत्र के लोग कहते हैं कि एक तरफ जहां परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद को सम्मान दिया जाता है, वही महावीर चक्र विजेता राम उग्रह पांडेय के शहादत दिवस को हर साल उपेक्षित किया जाता है। कोई सरकारी अधिकारी कर्मचारी सुध नहीं लेता, उनके ग्राम सभा में बना शहीद स्थल पर साफ सफाई तक नहीं किया जाता, जिससे क्षेत्र के लोगों के अंदर शासन के लापरवाही पर आक्रोश भी पनप रहा है।

पुलिस और शातिर अन्तर्जनपदीय गैंगेस्टर के बीच मुठभेड़, बदमाश के पैर में लगी गोली, हालत गंभीर, वाराणसी रेफर

प्रखर जौनपुर। गौराबादशाहपुर व केराकत पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में शातिर अन्तर्जनपदीय गैंगेस्टर शैलेश घायल व एक अन्य साथी अभियुक्त गिरफ्तार कर लिया गया है। चौकी प्रभारी गौराबादशाहपुर विनय कुमार मिश्र व केराकत थानाध्यक्ष रामजनम यादव मय पुलिस टीम के साथ 21 नवंबर की रात्रि में वाहन चेकिंग कर रहें थें कि कन्ट्रोल रुम के ने सूचना प्रसारित किया गया कि एक मोटर साईकिल पर दो बदमाश आजाद नगर थाना केराकत की तरफ से ग्राम परौवा की तरफ भाग रहे है। जिनका पीछा थानाध्?क्ष केराकत ने किया। इस सूचना पर थाना गौराबादशाहपुर पुलिस टीम ग्राम परौवा की तरफ चल दी कि अमृत सरोवर के लगभग 200 मीटर आगे पुलिया के पास सामने से एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखाई दी। पीछे से एक चार पहिया वाहन काफी तेजी से पीछा करती हुई आ रही थी। आगे व पीछे से घिरता देख मोटर साइकिल सवार बदमाशा भागने के लिए अपने दाहिने मुड़े, मुड़ते ही मोटर साइकिल सहित गिर गये तथा एक बदमाश वहाँ से बच कर भागने लगा। दूसरे बदमाश को ललकारते हुए पुलिस बल द्वारा आत्मसमर्पण करने के लिये कहा गया तो बदमाश द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से एक फायर कर दिया गया। थानाध्यक्ष केराकत ने पुलिया की आड़ को लेकर बदमाश को आत्मसमर्पण करने के लिए बार बार कहा लेकिन इसी दौरान बदमाश दोबारा अपना असलहा लोड करने लगा तभी आत्मरक्षा में उक्त बदमाश को पकड़ने की नियत से प्रभारी निरीक्षक गौराबादशाहपुर व थानाध्यक्ष केराकत ने फायर किया जिससे एक गोली बदमाश के पैर में लगी और वह घायल हो गया, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा उनका नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गई तो अपना नाम शैलेश यादव पुत्र हीरालाल यादव उर्फ छोटे निवासी पतौरा थाना केराकत उम्र करीब 21 वर्ष बताया। तलाशी के दौरान नगद रूपया तथा एक वीवो की मोबाईल बरामद हुई। मोटरसाइकिल के बारे में पूछने पर बताया कि इस गाडी को मेरे व दिनेश के द्वारा मिलकर चोरी किया गया है। थानाध्क्ष केराकत मय हमराही के द्वारा भागे हुए अपराधी को पीछा करके गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बदमाश से पूछताछ की गई तो वह अपना नाम दिनेश पुत्र सुबाष निवासी खटहरा थाना केराकत उम्र करीब 22 वर्ष बताया गया। जिसके कब्जे से एक जिन्दा कारतूस 315 बोर व एक रेडमी कम्पनी का मोबाइल बरामद हुआ। घायल बदमाश शैलेश उपरोक्त को मौके से सीएचसी चोरसण्ड गौराबादशाहपुर रवाना किया गया। जहाँ से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बेहतर ईलाज के लिए घायल बदमाश को ट्रामा सेन्टर बीएचयू वाराणसी भेजा गया जहाँ पर इलाजरत है।

एक मुश्त समाधान योजना का लाभ उठाएं - मो. हरीश

वाराणसी। शासन द्वारा उत्तर प्रदेश विद्युत विभागों के लिए अभी तक की सबसे आकर्षक एकमुश्त समाधान योजना की घोषणा विगत दिवस की गई है वही यह योजना 8 नवंबर से 31 दिसंबर 2023 तक लागू रहेगी` योजना का लाभ उठाने के लिए विद्युत उपकेंद्र उगापुर जेई रोहित राय, एसडीओ विक्रान्त जैस , मोहम्मद हरीश टीजी टू अन्य विद्युत कर्मियों के द्वारा क्षेत्रीय उपभोक्ताओं से अपील की गई जिससे प्रमुख रूप से किसानों और घरेलू उपभोक्ता को अधिभार में शत प्रतिशत की छूट देने तथा बाकी रकम एकमुश्त या तीन किश्तों में भरने की व्यवस्था की गई है जिन बकायेदारों पर राजस्व वसूली के लिए आरसी कटी है वे इस योजना में शामिल होगें तो ऐसे भी आरसी निरस्त कर दी जाएगी ऐसे सभी एफ.आई.आर. निरस्त किए जायेंगे। योजना का लाभ सभी विद्युत उपभोक्ताओं को मिलेगा इस योजना के लाभ के लिए आप सबके सुविधा के लिए कैंप का आयोजन किया जाएगा।

साहित्य समाज का दर्पण होता है : के०पी० यादव

प्रखर झांसी (गौरीशंकर पाण्डेय सरस)। जनपद के जाने माने कवि ,प्रगतिशील रचनाकार मंच के महासचिव विजय कुमार ह्यमधुरेशह्न द्वारा रचित ह्यगुलशन के फूलह्न का विमोचन एवं उसकी समीक्षात्मक विवेचना कार्यक्रम झांसी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के. पी यादव आई. पी.एस ने ह्यगुलशन के फूलह्न का विमोचन करने के उपरान्त कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। कवि मधुरेश ने सरल एवं सुगम शब्दो में अपने मुक्तकों तथा गजलों के माध्यम से हास्य एवं व्यंग्य के जरिए सियासत और सरकारी विभागों पर प्रहार करते हुए पाठकों को सोचने पर विवश कर दिया है। मुख्य अतिथि ने कहा कवि मधुरेश के विचारों में समाज के प्रति सोच और समाज को एक नई दिशा में ले जाने के लिए अथक प्रयास की सराहना तथा मधुरेश के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। कवि मधुरेश ने अपने हास्य व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत किया तो समस्त अधिकारी झूम उठे। मधुरेश ने इस मुक्तक पर खूब वाहवाही लूटी जीझ झील पर पानी बरसता है हमारे देश में खेत पानी को तरसता है हमारे देश में, अब विधायक , अफसरों और पागलों को छोड़कर और खुल कर कौन हंसता है हमारे देश में। इस मौके पर एस. आर. यादव उप ज़िला अधिकारी (ललितपुर), संजय यादव डिप्टी डायरेक्टर पंचायती राज , विनय यादव उपनिदेशक उद्यान , टी. आर. यादव अभियंता आर.ई.एस , डा० प्रमोद यादव प्रबंधक एम. सी. स्मारक महाविद्यालय झांसी , श्रीमती उपमा खाद्य सुरक्षा अधिकारी , डा ० निर्वेश कीट वैज्ञानिक, प्रियंका दीक्षित अधीक्षक राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय , श्रीमती वंदना यादव , जिला समाज कल्याण अधिकारी कानपुर (नगर) विपिन कुमार यादव, प्रधानाध्यापिका राधिका यादव, आकाश यादव , रितु, शाल्वी आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता डा० प्रमोद यादव व संचालन जिला समाज कल्याण अधिकारी कानपुर नगर विपिन कुमार यादव ने किया । कवि विजय कुमार मधुरेश ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

नहीं होती पुलिस की गश्त, बिरनो थाना क्षेत्र से दो किसानों की भैंस चोरी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र के जयरामपुर तथा गोपालपुर गांव से दो पशुपालक की छप्पर में बंधी भैंस चोरी हो गई। पशुपालक रामबोध यादव पुत्र स्व दयाराम यादव, हिमंगल यादव पुत्र स्व रामराज यादव के मुताबिक भैंस छप्पर में बंधी थी। चोर भैंस को चोरी कर ले गए है। जिसकी शिकायत पुलिस को दे दी गई है। रामबोध यादव का कहना है कि जिस प्रकार से चोरी की घटनाएं बिरनो थाना क्षेत्र में बढ़ रही है, उससे लगता है की घर को अकेले छोड़कर जाने में भी डर लगने लगा है। जबकि छप्पर में बंधे हुए पशु चोरी होने के कारण पहले ही पशुपालकों का लाखों रुपए का नुकसान हो चुका है। इधर, ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस प्रसासन द्वारा समय समय पर पंचायत प्रतिनिधि की मीटिग बुलाई जाती हैं और इलाके में हो रही चोरी को रोकने के लिए गस्त लगाने के लिए कहा जाता हैं, लेकिन किसी गांव में तो गस्त नहीं होता हैं। इधर, पुलिस के स्तर पर की जा रही नाकाबंदी भी मददगार साबित नहीं हो रही। जिससे भी परेशानी बढ़ रही है। गांवों से ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रही । ग्रामीणों ने घटनाओं का उल्लेख करते हुए वारदातों का खुलासा करने व चोरों को पकड़ने के लिए अलावा घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए थाना प्रभारी देवेन्द्र यादव से गुहार लगाई है । बातचीत में उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा था कि बिरनो पुलिस प्रशासन के स्तर पर चोरी की घटनाओं के मद्देनजर ठोस कदम नहीं उठाया तो मजबूरन उन्हें विरोध का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा। ग्रामीणों के मुताबिक काफी लंबे अरसे से बिरनो क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र में चोर गिरोह सक्रिय है। चोरी की वारदातों पर अंकुश ही लग रहा है और न ही आरोपितों का कुछ ठोस पता चल पाया है। लगातार घटनाएं सामने आ रही है। दूसरा पुलिस के स्तर पर लोगों को ही गस्त लगाने की बात कहते हुए सजग रहने के लिए कहा जा रहा है। जिससे सभी के घरों में तनाव बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने कहा कि चोरी की घटनाओं के बाद उन्हें सीख दी जा रही है कि उन्हें क्या-क्या करना चाहिए। जबकि बनी इस स्थिति में चोर कैसे पकड़े जाए, के विषय पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

डीएम की अध्यक्षता में हुई विकास खंडो की प्रगति समीक्षा बैठक, लापरवाही पर मांगी स्पष्टीकरण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकास खण्डो की प्रगति समीक्षा बैठक राईफल क्लब सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राज्य सरकार द्वारा जनपद के छः आकांक्षात्मक विकास खण्ड रेवतीपुर, सादात, देवकली, बाराचवर, विरनो, मरदह जिसका चयन प्रदेश के 100 आकांक्षात्मक विकास खंड के रूप में किया है, में कराये जा रहे विकास कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने एम वाई सी बाराचवर एवं बिरनो के स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में लापरवाही करने पर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि सम्बन्धित विकास खण्डो में तैनात सी एम फैलो द्वारा निर्धारित इंडिकेटर्स पर सही आकड़ा जॉच कर फिड करे। उन्होने डी एस एन आर एल एम को साथ ही समस्त खण्ड विकास अधिकारी, सी एम फैलो के साथ साप्ताहिक बैठक कर आकड़ो मे सुधार लाने तथा डेटा फीडिंग के दौरान सभी उपस्थित होकर सबके संज्ञान मे ही डेटा फीड कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आकाक्षात्मक विकास खण्डो में स्वास्थ्य, कुपोषण, जल संसाधन, शिक्षा, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन, कृषि, आधारभूत अवसंरचना सहित कई ऐसे मानक हैं जिन पर व्यापक स्तर पर काम किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समस्त अधिकारियों को शासन की नीति के अनुरूप आकाक्षात्मक विकास खण्ड में विकास कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया, कहा कि ये कार्य शासन की शीर्ष प्राथमिकता का विषय है। आकांक्षात्मक ब्लॉक को लेकर मुख्यमंत्री बेहद गंभीर हैं और इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। इसमें लापरवाही मिलने पर कार्यवाई तय है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य , मुख्य चिकित्साधिकारी , अर्थ एवं संख्याधिकारी, डीसीएन आरएलएम, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सूरीनाम : खदान ढहने से 10 लोगों की मौत

पारामारिबो। दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम में सोमवार को सोने की एक अवैध खान के ढहने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और बचाव दल को खदन स्थल के लिए रवाना किया गया है जो देश के दक्षिणी ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। अधिकारियों ने कहा कि माना जा रहा है कि खनिकों ने सोने की तलाश में अपनी खुद की सुरंगें बनाई थीं जो सूरीनाम में एक आम घटना है। अभी इस बात का पता नहीं चल सका है कि खान के ढहने का कारण क्या है। राष्ट्रपति चान संतोखी ने कहा कि घटना के बारे में अभी बहुत अनिश्चितता है। संतोखी ने कहा, 'यह अहम है कि हमने अब हालात पर काबू पा लिया है।' घटना के वक्त संतोखी एक सरकारी बजट बैठक में हिस्सा ले रहे थे, लेकिन इस दौरान वह यह कहने के लिए बाध्य हो गए कि 'कुछ भयावह हो रहा है।'

भारत-अमेरिका का साझा अभ्यास 'वज्र प्रहार' शुरू

गुवाहाटी। भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'वज्र प्रहार, 2023' के 14वें संस्करण की मंगलवार को मेघालय के उमरोई छावनी के 'ज्वाइंट ट्रेनिंग नोड' में शुरुआत हुई। रक्षा विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, अमेरिकी सैन्यदल का नेतृत्व अमेरिकी विशेष बल के प्रथम स्पेशल फोर्सेस ग्रुप (एसएफजी) के कर्मियों ने किया जबकि भारतीय सेना के दल का नेतृत्व पूर्वी कमांड के विशेष बल कर्मियों ने किया। 20 दिवसीय अभ्यास 'वज्र प्रहार' भारतीय सेना और अमेरिकी सेना के विशेष बलों के बीच एक संयुक्त अभ्यास है, जिसका उद्देश्य संयुक्त मिशन योजना व युद्ध रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम तौर-तरीकों और अनुभवों को साझा करना है। पहला संस्करण वर्ष 2010 में भारत में आयोजित किया गया था और भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 13 वां संस्करण विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल (एसएफटीएस), बकलोह (एचपी) में आयोजित किया गया था। अभ्यास का पहला संस्करण वर्ष 2010 में भारत में आयोजित किया गया था जबकि भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 13वां संस्करण हिमाचल प्रदेश के बकलोह में स्पेशल फोर्सेस ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित किया गया था।

संदिग्ध नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

नारायणपुर/कांकेर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में संदिग्ध नक्सलियों ने पुलिस का मुखबिर होने के संदेह में 25 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने कहा कि पुलिस को घटना के बारे में जानकारी मिली है तथा इस संबंध में और जानकारी एकत्र की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने अमर उइके नामक ग्रामीण की सोनपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोमे गांव में जन-अदालत लगाकर हत्या कर दी । सुंदरराज ने बताया, 'हम जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं तथा इस संबंध में अधिक जानकारी एकत्र की जा रही है। पुलिस दल को घटनास्थल के लिए भेजा गया है।'

इस्राइल ने लश्कर को दोबारा आतंकी संगठन घोषित किया

यरूशलम (भाषा)। इस्राइल ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों की 15वीं बरसी से पहले पाकिस्तान से संचालित लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन घोषित करने का अपना फैसला मंगलवार को दोहराया। मुंबई में 26 नवम्बर 2008 को कई जगहों पर हुए आतंकी हमलों में 166 लोग मारे गए थे जिनमें कुछ इस्राइली नागरिक भी शामिल थे।

इस्राइल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियोर हैयात ने से कहा, 'हां, मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं। यह नई बात नहीं हैं और दरअसल यह 2013 से है। इसे हाल में एक प्रशासनिक चूक की वजह से दोबारा प्रकाशित कर दिया गया था लेकिन यह कोई नई बात नहीं है।' इससे पहले भारत में इस्राइल के दूतावास ने आज एक बयान जारी कर कहा था, 'मुंबई आतंकी हमलों की 15वीं बरसी पर इस्राइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है।' कुछ सप्ताह पहले ही इस्राइल ने कहा था कि समय आ गया है जब भारत को हमास को आतंकी संगठन घोषित कर देना चाहिए।

हमास ने सात अक्टूबर को इस्राइली क्षेत्रों पर जमीनी, समुद्री और हवाई मार्गों से हमले कर दिए थे जिनमें 1200 से अधिक लोग मारे गए थे। कुछ इसी तरह दक्षिण

लश्करे-ए-तैयबा ने मुंबई में 26 नवम्बर 2008 को किया था आतंकी हमला

मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को पाकिस्तान से समुद्री मार्ग से आए 10 आतंकवादियों ने यहूदियों के केंद्र चाबाड हाउस समेत कई जगहों पर हमला कर दिया था और अंधाधुंध गोलीबारी कर 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 166 लोगों की जान ले ली थी। इन हमलों में चाबाड हाउस के नाम से मशहूर नरीमन हाउस में छह यहूदी मारे गए थे। बयान में कहा गया, 'भारत सरकार ने हमसे ऐसा करने का अनुरोध नहीं किया था, लेकिन इस्राइल ने सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं और लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठनों की इस्राइल की सूची में शामिल करने के लिए सभी जरूरी नियमों का पालन किया है।' विज्ञप्ति के अनुसार, 'इस्राइल केवल उन आतंकी संगठनों को सूचीबद्ध करता है जो उसकी सीमाओं के भीतर या उसके आसपास या उसी तरह सक्रियता से गतिविधियां चला रहे हैं जिस तरह भारत में चलाते हैं जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद या अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा वैश्विक रूप से सूचीबद्ध किया गया है। वहीं, इस्राइल के रक्षा और विदेश मंत्रालयों ने संयुक्त रूप से पिछले कुछ महीनों में इस तिथि पर लश्कर-ए-तैयबा संगठन को त्वरित और असाधारण तरीके से सूचीबद्ध करने की दिशा में काम किया है। ताकि आतंकवाद से लड़ने में एक एकीकृत वैश्विक मोर्चे के महत्व को रेखांकित किया जा सके।'

जहाज पर कब्जे से संरा महासचिव चिंतित

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव लाल सागर में हूतियों द्वारा एक जहाज पर कब्जा करने की खबरों पर 'गहन चिंता' के साथ नजर रख रहे हैं। खबरों के अनुसार, यह जहाज तुर्किये और भारत के मध्य मार्ग में कहीं था। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

जहाज की संचालक कंपनी एनवाईके लाइन ने कहा कि ब्रिटिश स्वामित्व वाले और जापान द्वारा संचालित जहाज 'गैलेक्सी लीडर' को यमन में होदीदा के पास उस समय रोक लिया गया था, जब यह भारत के रास्ते में था। इस पोत में चालक दल के 25 सदस्य भी सवार थे जिन्हें यमन के हूथी विद्रोहियों ने बंधक बना लिया था। एनवाईके ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उसने 'इस घटना की जानकारी जुटाने और प्रबंधन करने के लिए अपने मुख्यालय में एक संकट प्रबंधन केंद्र बनाया है।' उसने कहा, 'हम चालक दल के 25 सदस्यों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं।'

नायडू की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गया आंध्र प्रदेश

नई दिल्ली (भाषा)। आंध्र प्रदेश सरकार ने कौशल विकास निगम घोटाला मामले में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को नियमित जमानत देने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ मंगलवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध करते हुए, राज्य सरकार ने कहा कि आरोपी (नायडू) एक 'प्रभावशाली व्यक्ति' है और 'उनके दो प्रमुख सहयोगी (एक सरकारी कर्मचारी सहित) पहले ही देश छोड़कर भाग चुके हैं।' याचिका में कहा गया, 'आरोपी स्पष्ट रूप से जांच में बाधा डाल रहा है, इसलिए उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए।'

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 20 नवंबर को नायडू को जमानत प्रदान करते हुए कहा था कि जमानत देने के विवेक का प्रयोग मानवीय और दयालु तरीके से किया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने अपनी अपील में कहा कि उच्च न्यायालय ने 39 पन्नों के अपने फैसले में न केवल एक 'छोटी सुनवाई' की, बल्कि 'पूरी तरह से गलती' की , जिससे ऐसे निष्कर्ष निकले हैं जो रिकॉर्ड के पूरी तरह से विपरीत हैं। अधिवक्ता महफूज अहसन नाजकी के माध्यम से दायर अपील में कहा गया है, 'आंध्र प्रदेश राज्य अमरावती में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा 20 नवंबर को सुनाए गए फैसले के खिलाफ वर्तमान विशेष अनुमति याचिका दायर करने के लिए बाध्य है।'

याचिका में कहा गया, 'उच्च न्यायालय ने जमानत के एक मामले में तथ्यों पर गहराई से गौर किया और ऐसे निष्कर्ष दिए हैं जो न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत हैं, बल्कि मुकदमे के दौरान निचली अदालत पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की भी संभावना है।' शीर्ष अदालत के विभिन्न फैसलों का जिक्र करते हुए राज्य सरकार ने कहा कि जमानत आदेशों में साक्ष्यों के विस्तृत विवरण की प्रथा की इस अदालत द्वारा बार-बार आलोचना की गई है।

भारत के साथ मजबूत संबंध चाहता है आसियान समूह

जकार्ता (भाषा)। 'दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ' (आसियान) के महासचिव डॉ काओ किम होर्न ने कहा कि यह 10 सदस्यीय समूह भारत के साथ मजबूत रिश्ते चाहता है और दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा की जा रही है। डॉ काओ ने यहां कुछ भारतीय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्षों की आबादी के आकार को देखते हुए उनके बीच बड़ी व्यापार और निवेश क्षमता है। उन्होंने कहा, 'हम भारत के साथ मजबूत रिश्ते चाहते हैं। सकारात्मक पहलू को देखिए।'

महासचिव ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि मौजूदा भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा की जा रही है और दोनों पक्षों की 2025 तक इसे पूरा करने की योजना है। जकार्ता में सितंबर में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आसियान-भारत एफटीए की समीक्षा समयबद्ध तरीके से पूरा करने की जरूरत बताई थी। एफटीए पर 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे और इसे जनवरी 2010 में लागू किया गया था।

पन्नू को 'नो-फ्लाई' सूची में शामिल करने की मांग

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका में भारतवंशी प्रवासियों के पैनल ने एयर इंडिया से उड़ान भरने वाले लोगों को धमकी देने वाले वीडियो संदेश जारी करने के लिए आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू और उसके प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' (एसएफजे) को 'नो-फ्लाई' सूची में शामिल करने की मांग की है।

भारतीय-अमेरिकी और भारतीय-कनाडाई लोगों के एक संगठन 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' (एफआईआईडीएस) द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकारें एसएफजे के अलगाववादी सिख नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। एसएफजे एक अमेरिका स्थित संगठन है जिसे भारत सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित किया हुआ है।

जुलाई, 2020 में पन्नू को अलगाववाद को बढ़ावा देने और कथित तौर पर पंजाबी सिख युवाओं को हथियार उठाने के लिए उकसाने के लिए यूएपीए के तहत एक 'आतंकवादी' घोषित किया गया था। एफआईआईडीएस के खंडेराव कांड ने कहा, 'कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंक की स्वतंत्रता के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गलत तरीके से प्रस्तुत किया और चरमपंथी निज्जर की हत्या को लेकर भारत के खिलाफ उनके आरोपों ने कनाडा में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधों को बढ़ावा दिया है।' उन्होंने कहा कि ऐसा

भारत पन्नू को पंजाबी सिख युवाओं को उकसाने के लिए आतंकवादी घोषित कर चुका है

लगता है कि ट्रूडो की नीतियां चरमपंथ के खतरों की अनदेखी करती हैं जिनका कनाडा पर भी अंततः प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

कांड ने एक बयान में कहा, 'पैनल में शामिल लोगों ने वर्ष 1985 में एयर इंडिया के विमान 'कनिष्क' में बम विस्फोट की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि गुरपतवंत पन्नू और एसएफजे के सदस्यों को एयर इंडिया से यात्रा करने पर धमकियों के लिए 'नो-फ्लाई' सूची में क्यों नहीं रखा गया है।'

अंग्रेजों और कांग्रेस पार्टी, दोनों की ओर से हिंदुओं और सिखों के बीच नफरत के ऐतिहासिक बीज बोए जाने के संदर्भ में कैलिफोर्निया में रहने वाले सुखी चहल ने कहा कि एसएफजे सिखों का समग्र प्रतिनिधित्व नहीं करता और इसने हिंदुओं तथा सिखों के खिलाफ विकृत और घृणित दुष्प्रचार किया है।

कनाडा की रुचि वालिया ने हिंदू और सिखों की एकता का महत्व बताया। वालिया ने गलत ऐतिहासिक जानकारी के प्रसार के माध्यम से सिख युवाओं को कट्टरपंथी बनाए जाने के बारे में चिंता व्यक्त की और कहा कि इसे ठीक करने की जरूरत है। 'कनाडियन हिंदूज फॉर हार्मनी' के प्रवक्ता विजय जैन ने इस बात पर जोर दिया कि कट्टरपंथी उदारवादी आवाजों को दबा रहे हैं और शांति तथा सद्भाव को खतरे में डाल रहे हैं। एफआईआईडीएस के विश्लेषक मोहन सोंती ने कहा कि कनाडा में भारतीयों के लिए मौजूदा खतरा, खासकर खालिस्तानी आतंकवादियों से, लगभग 45 साल पहले कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री के पिता पियरे ट्रूडो के समय शुरू हुआ था। सोंती ने 1985 के कनिष्क विमान में बम विस्फोट का हवाला देते हुए दावा किया कि पियरे ट्रूडो की उदारता ने खालिस्तानी आतंकवाद के पनपने में योगदान दिया। वर्ष 1985 में एयर इंडिया के विमान कनिष्क में किया गया बम विस्फोट उस समय का किसी विमान पर किया गया सबसे बड़ा आतंकवादी हमला था। बोइंग 747 को यह नाम सम्राट कनिष्क के नाम पर दिया गया था। आयरलैंड के समुद्र तट से थोड़ी दूर उड़ रहे कनिष्क विमान में बम विस्फोट के कारण उसमें सवार 329 लोगों की मौत हो गई थी। कनाडा से लंदन के रास्ते भारत के लिए रवाना हुए इस विमान में सिख अलगाववादी संगठन ने बम रखा था जिसका मकसद वर्ष 1984 में 'स्वर्ण मंदिर' में की गई कार्रवाई का बदला लेना था।

इस्राइल ने दक्षिण अफ्रीका से अपने राजदूत को वापस बुलाया

जोहानिसबर्ग (एपी)। दक्षिण अफ्रीका में इस्राइल के दूतावास के भविष्य को लेकर मंगलवार को संसद में मतदान होना है, इससे पहले इस्राइल ने इस अफ्रीकी देश में अपने राजदूत इलियाव बेलोतसरकोस्की को 'चर्चा के लिए' यरूशलम बुलाया है। गाजा पर इस्राइल के हमलों को लेकर दक्षिण अफ्रीका और इस्राइल के राजनयिक संबंधों में तनाव बढता देखा गया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इससे पहले कहा था कि उनके देश को लगता है कि इस्राइल गाजा में युद्ध अपराध और नरसंहार कर रहा है, जहां हजारों फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को 'एक्स' पर लिखा, 'दक्षिण अफ्रीका के ताजा बयान के बाद प्रीटोरिया में इस्राइल के राजदूत को चर्चा के लिए यरूशलम बुलाया गया है।' गाजा में युद्धविराम लागू होने तक इस्राइली दूतावास को बंद करने और इस्राइल से सभी संबंध खत्म करने को लेकर दक्षिण अफ्रीका की संसद में मतदान से पहले इस्राइल ने यह कदम उठाया है।

गाजा के एक और अस्पताल पर इस्राइल का हमला

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी) (एपी)। इस्राइली सेना ने सोमवार को उत्तरी गाजा के एक अन्य अस्पताल के पास चरमपंथी संगठन हमास के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। अस्पताल के भीतर हजारों की संख्या में मरीज, विस्थापित और शरणार्थी मौजूद हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कुछ घायलों को अस्पताल से बाहर निकाला। अस्पताल के भीतर फंसे एक चिकित्सा कर्मचारी और गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इंडोनेशियाई अस्पताल की दूसरी मंजिल पर एक गोला गिरा, जिससे 12 लोगों की मौत हो गई। दोनों ने इस्राइल को हमले का दोषी ठहराया। इस्राइल ने अस्पताल पर गोलीबारी से इनकार करते हुए कहा कि उनके सैनिक केवल चरमपंथियों और उनके ठिकानों को निशाना बना रहे है। इंडोनेशियाई अस्पताल पर उस वक्त हमला हुआ, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गाजा शहर के शिफा अस्पताल से निकाले गए 28 नवजातों को सोमवार को मिस्र ले जाया गया। सभी नवजात शिशुओं का जन्म समय से पूर्व हुआ है।

अस्पताल पर हमले में 12 लोगों की मौत का दावा किया हमास ने

रेड क्रीसेंट ने कहा कि तीन अन्य को दक्षिणी गाजा के रफ़ाह में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा संचालित अस्पताल भेजा गया। कुछ दिनों पहले अस्पताल परिसर में इस्राइली सुरक्षा बलों के हमले के बाद वहां 250 से अधिक गंभीर मरीज व अन्य लोग फंसे हुए थे। इस्राइल का आरोप है कि हमास नागरिकों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है और वह गाजा के शिफा अस्पताल के भीतर प्रमुख कमांड हब का संचालन कर रहा है। हालांकि, अस्पताल के अधिकारियों और हमास ने इस्राइल के दावों को खारिज कर दिया।

इस्राइल-हमास संघर्ष में युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। भारत ने जारी इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन प्रयासों की भी सराहना की है जिनका उद्देश्य तनाव कम करना और फिलस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना है।

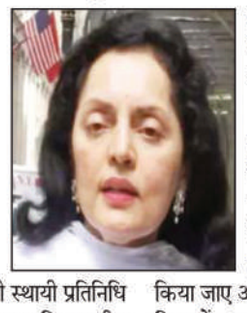

गाजा पट्टी में मानवीय दशा को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में पूर्ण सत्र की अनौपचारिक बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने सोमवार को जोर देकर कहा कि भारतीय नेतृत्व का संदेश 'स्पष्ट और सुसंगत' रहा है। कंबोज ने कहा, 'भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन सभी प्रयासों का स्वागत करता है जो संघर्ष को कम करने के लिए हैं और फलस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने को सक्षम बनाते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हम आतंकवाद के सभी रूपों और इसके प्रसार के विरोधी हैं, स्पष्ट रूप से हिंसा के खिलाफ हैं और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने के पक्ष में हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संघर्ष को और बढने से रोका जाए, मानवीय सहायता जारी रहे, सभी बंधकों को बिना शर्त रिहा किया जाए और सभी पक्ष शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की दिशा में काम करें।" कंबोज ने रेखांकित किया कि इस दिशा में, 'हम मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों का भी स्वागत करते हैं।'

पाकिस्तान में तीन आतंकी ढेर, एक सैनिक की भी मौत

पेशावर (पाकिस्तान) (भाषा)। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए दो अभियान के दौरान कम से कम तीन आतंकवादियों को मार गिराया जबकि आईईडी विस्फोट में एक सैनिक की भी मौत हो गई।

सेना ने यह जानकारी दी। डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची इलाके में सोमवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई जबरदस्त गोलीबारी में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान सेना की सूचना शाखा ने एक बयान में कहा कि दक्षिण वजीरिस्तान जिले के कोट आजम क्षेत्र में चलाए गए एक अलग अभियान में गोली लगने से एक आतंकवादी मारा गया।

विभाग ने कहा कि सुरक्षा बलों ने मारे गए तीनों आतंकवादियों के पास से हथियार एवं गोलाबारूद बरामद किए जो सुरक्षा बलों एवं आम नागरिकों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उत्तर वजीरिस्तान जिले के घरयूम क्षेत्र में एक अन्य घटना में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के विस्फोट में एक सैनिक की भी मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने इलाके में किसी भी आतंकवादी की मौजूदगी को खत्म करने के लिए इन इलाकों में अभियान शुरू किया है।

इमरान खान के खिलाफ मामले की जेल में सुनवाई पर फैसला सुरक्षित

इस्लामाबाद (भाषा)। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ कथित तौर पर गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने से जुड़े मामले की सुनवाई जेल में करने के विरुद्ध उनकी अपील पर फैसला मंगलवार को सुरक्षित रख लिया।

उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने पूर्व में, रावलपिंडी स्थित अडियाला जेल में सुनवाई के खिलाफ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान (71) की अपील को खारिज कर दिया था।

खान 26 सितंबर से अडियाला जेल में बंद है। उन्हें अटक की जिला जेल से वहां स्थानांतरित किया गया है। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज की पीठ ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई की और फैसला सुरक्षित रख लिया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने साझेदारी बढ़ाने का संकल्प जताया

नई दिल्ली (भाषा)। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अपनी आर्थिक एवं सुरक्षा साझेदारी को गहरा करने का संकल्प जताया और एक 'मुक्त, स्वतंत्र, समावेशी एवं नियम आधारित' हिंद-प्रशांत के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह क्षेत्र चीन की बढ़ती आक्रामकता का गवाह बन रहा है।

'भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों के फ्रेमवर्क संवाद' में हिस्सा लेने के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वोंग के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अगले साल किसी समय क्वाड (चतुष्पक्षीय) समूह की एक बैठक की तैयारी कर रहा है। क्वाड समूह में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) वार्ता पर आगे बढ़ने के महत्व को रेखांकित किया और इस विषय पर चर्चा की।

जयशंकर ने कहा, 'हमने अपने छात्रों और पेशेवरों की दोनों देशों में आवाजाही अधिक सुगम बनाने की दिशा में आगे बढने के तरीके पर बात की।' विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की।

संवाददाता सम्मेलन में इस्राइल-हमास संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने भारत की स्थिति के बारे में बात की और कहा कि इस 'बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण स्थिति' के कई पहलू हैं।

जयशंकर ने कहा, 'सात अक्टूबर को जो हुआ, निश्चित रूप से आतंकवाद उसका एक पहलू है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रूप में हम यही सोचते हैं कि हमें आतंकवाद पर कभी समझौता नहीं करना चाहिए, हमें इसके बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए। इसलिए वह एक मुद्दा है और इसमें बंधकों का मुद्दा भी शामिल है।'

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों के फ्रेमवर्क संवाद को किया संबोधित

उन्होंने कहा, 'दूसरा मुद्दा आज गाजा में मानवीय संकट का है। मानवीय सहायता की तत्काल आवश्यकता है और वहां अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना आवश्यक है। तीसरा मुद्दा फलस्तीनियों के अधिकारों और भविष्य से संबंधित है। उसका भी कोई समाधान होना चाहिए। हमारी और विश्व के अनेक देशों की दृष्टि में वह दो-राष्ट्र समाधान में ही निहित हो सकता है।'

जयशंकर ने कहा, 'हमें एक रास्ता तलाशना होगा जिसके जरिए इन सभी पहलुओं को संबोधित किया जा सके।' उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में 'वास्तविक प्रगति' हो रही है।

उन्होंने कहा, 'आज अन्य बातों के अलावा हमने 'व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते' (सीईसीए) वार्ता पर आगे बढ़ने के महत्व पर भी चर्चा की। हमने अपने छात्रों और पेशेवरों की आवाजाही दोनों देशों में अधिक सुगम बनाने के लिए आगे बढने के तरीके पर बात की।'

जयशंकर ने कहा, 'हम दोनों व्यापक और समावेशी विकास के लिए हिंद-प्रशांत में अधिक विश्वसनीय और लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा कि 'टू प्लस टू' संवाद के तहत और आज की बातचीत में सुरक्षा मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा, 'हमने ऑस्ट्रेलिया के साथ बढ़ते तालमेल को साझा किया है। इसके मूल में समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के आधार पर एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक साझा प्रतिबद्धता शामिल है।'

उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने आतंकवाद, कट्टरवाद और चरमपंथ के मुद्दे पर भी चर्चा की।

जयशंकर ने कहा, 'एक उदार लोकतंत्र, क्वाड सहयोगी होने के नाते हम नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय आधार पर काम करते रहेंगे। हम सभी राष्ट्रों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करेंगे, सभी के लिए संपर्क, विकास और सुरक्षा को बढ़ावा देंगे।'

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को रक्षा सहयोग पर विशेष ध्यान देने के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया भर में 'असाधारण चुनौतियों' से निपटने के लिए अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का फैसला किया।

दूसरे भारत और ऑस्ट्रेलिया 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय संवाद में दोनों देशों ने सूचना के आदान-प्रदान और समुद्री क्षेत्र में जागरूकता को लेकर सहयोग और बढाने के महत्व को भी रेखांकित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता के तहत यहां ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स और विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात की।

राष्ट्रपति पहुंची अपने सास-ससुर के गांव

बारीपदा (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करने मंगलवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले के पहाड़पुर गांव पहुंचीं और वह वस्तुतः यहां की अपनी पुरानी यादों में खो गयीं। द्रौपदी मुर्मू की 1980 में पहाड़पुर के बैंकर श्याम चरण मुर्मू के साथ शादी हुई थी और इसी गांव में उनके सास-ससुर का मकान है। बाद में उन्होंने (राष्ट्रपति ने) इस संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा एसएलएस (श्याम-लक्ष्मण-सिपुन) न्यास को दान कर दिया था। यह न्यास उनके (द्रौपदी मुर्मू के) दिवंगत पति और दो बेटों के नाम पर स्थापित किया गया था।

पहाड़पुर गांव पहुंचने के बाद द्रौपदी मुर्मू एसएलएस स्मारक गयीं और उन्होंने अपने पति एवं बेटों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पति का 2014 में देहावसान हो गया था, जबकि उनके दो बेटे अगले कुछ सालों में गुजर गये थे। गांव पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ग्रामीणों से मिलीं, जिनमें कुछ का उनसे और उनके दिवंगत पति से संबंध था। बच्चों के साथ बातचीत के दौरान द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पढाई पर ध्यान देने और आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करते रहने का सुझाव दिया। ग्रामीणों के साथ बातचीत के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आदिवासियों के विकास के बगैर देश का समावेशी विकास अधूरा है। उनसे भेंट करने वाले ज्यादातर लोग आदिवासी थे।

ओडिशा प्रवास के दूसरे दिन राष्ट्रपति ने पहाड़पुर में एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया, डिजिटल रूप से नये रैरंगपुर डाक संभाग का उद्घाटन किया, रैरंगपुर डाक संभाग के विशेष लिफाफे को जारी किया तथा हरी झंडी दिखाकर बादामपहाड़ से तीन ट्रेन को रवाना किया।उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समुदायों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है। उ

उन्होंने आदिवासी युवाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। एलएंडटी ने एसएलएस के साथ मिलकर पहाड़पुर में कौशल प्रशिक्षण केंद्र खोला है। एलएंडटी वित्तपोषित गैरलाभकारी संगठन प्रयास ट्रस्ट की अध्यक्ष मीणा सुब्रमण्यम इस मौके पर मौजूद थी।

संक्षिप्त खबरें

इरेडा ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) ने एंकर या बड़े निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने 58 कोषों को 32 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 201019726 शेयर आवंटित किए हैं। यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है। कंपनी का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 नवम्बर को खुल गया है। यह 23 नवम्बर को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। पिछले साल मई में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का पहला आईपीओ है।

केईसी को मिले ठेके

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कंपनी केईसी इंटरनेशनल को अपने रेलवे और केबल सहित अपने विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए 1,005 करोड़ रुपये की नई परियोजनाएं मिली हैं। आरपीजी समूह की कंपनी को घरेलू बाजार के साथ-साथ पश्चिम एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका में पारेषण और वितरण तथा केबलिंग के लिए परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि रेलवे क्षेत्र में उसे भारत में पारंपरिक खंड में 25 केवी ओवरहेड विद्युतीकरण (ओएचई) और संबंधित कार्यों का ऑर्डर मिला है।

कीवी ने ₹108 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी कीवी ने ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया की अगुवाई में लगभग 108 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, वित्तपोषण के इस दौर में मौजूदा निवेशक नेक्सस वेंचर पार्टनर्स और स्टेलारिस वेंचर पार्टनर्स ने भी भाग लिया। वित्तपोषण के ताजा दौर से कीवी भारत में अपने 'यूपीआई पर क्रेडिट कार्ड' की पेशकश का विस्तार कर पाएगी। वर्ष 2022 में गठित कीवी का कहना है कि वह बैंकों के साथ सहयोग से डिजिटल रुपे कार्ड जारी करके 'यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड' पेश करने वाली भारत की पहली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी है।

आईआईएफएल की उपलब्धि

नई दिल्ली। आईआईएफएल फाइनेंस देश की दूसरी सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बन गई है। इसने स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो में मणप्पुरम फाइनेंस को पीछे छोड़ दिया है। आईआईएफएल फाइनेंस के स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो ने 23,690 करोड़ रुपये के एयूएम (प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां) को पार कर लिया है। मणप्पुरम फाइनेंस का स्वर्ण ऋण एयूएम 20,809 करोड़ रुपये है। आईआईएफएल फाइनेंस के स्वर्ण ऋण कारोबार के प्रमुख सौरभ कुमार ने कहा, "इससे एयूएम के लिहाज से कंपनी की दूसरे सबसे बड़े स्वर्ण ऋण प्रदाता के रूप में स्थिति और मजबूत हुई है।

जॉब देगी टाइटन

मुंबई। टाइटन कंपनी की अगले पांच साल में इंजीनियरिंग, डिजाइन, लक्जरी, डिजिटल और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में 3,000 से अधिक कर्मचारी नियुक्त करेगी। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी को डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, उत्पाद प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग और अन्य नए जमाने के कौशल जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल पेशेवरों की तलाश है। टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट और खुदरा) प्रिया एम. पिल्लई ने कहा, "हम अगले पांच साल में 1,00,000 करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं।(एजेंसी)

भू राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण 'वेट एंड वाच' की नीति अपना रही हैं आईटी सेक्टर की ज्यादातर कंपनियां

आईटी क्षेत्र में भर्तियों की रफ्तार सुस्त

मुंबई (भाषा)।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में भर्तियों की रफ्तार सुस्त रहने के बीच ईआरपी (उद्यम संसाधन योजना), वाहन डिजायन, परीक्षण और प्रशासन जैसे कार्यात्मक कौशल क्षेत्र में दक्ष पेशेवरों की मांग में वृद्धि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी जारी रही है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

पेशेवर समाधान प्रदाता क्वेस कॉरपोरेशन 'स्किल्स रिपोर्ट' के अनुसार, आईटी क्षेत्र में कंपनियों ने भू-राजनीतिक तनाव के बीच 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाया हुआ है, और विवेकाधीन खर्च को रोक दिया है, इससे क्षेत्र में नियुक्तियों की रफ्तार धीमी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि, आईटी क्षेत्र में विकास, ईआरपी, वाहन डिज़ाइन, परीक्षण और प्रशासन जैसे कार्यात्मक कौशल वाली प्रतिभाओं की मांग चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान बढ़ती रही।

स्किल्स रिपोर्ट

क्वेस आईटी स्टाफिंग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शिवराम ने कहा, 'हाल के समय में पहली बार बड़ी आईटी सेवा कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में गिरावट देखी है, जो भविष्य में सामूहिक रूप से उनके सतर्क रुख का संकेत देता है।

हमारा मानना है कि यह अनिश्चितता का दौर एक या दो तिमाहियों में और जारी रहेगा जिसके बाद इसमें तेजी आनी शुरू होगी।' उन्होंने कहा कि हालांकि, मुख्य सेवा प्रदाता (एमएसपी) और भर्ती प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (आरपीओ) जैसे मॉडल को अपनाना, साथ ही पूर्व-मूल्यांकन की गई भर्ती की आवश्यकता प्राथमिकता बनी हुई है।

उन्होंने कहा, "अच्छी बात यह है कि जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से बढ़ रहा है, और जनरेटिव एआई (कृत्रिम मेधा) आने से हम भारतीय आईटी क्षेत्र में अतिरिक्त प्रौद्योगिकी के एकीकरण की उम्मीद करते हैं, जिसमें काफी दीर्घकालिक संभावनाएं हैं।'

यूनिफी को म्यूचुअल फंड कारोबार की अनुमति

नई दिल्ली (भाषा)।

पोर्टफोलियो प्रबंधन कंपनी यूनिफी कैपिटल को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

कंपनी ने म्यूचुअल फंड लाइसेंस के लिए सेबी के पास दिसम्बर, 2020 में आवेदन किया था। यूनिफी के संस्थापक शरत रेड्डी ने कहा, 'हमारा म्यूचुअल फंड हमें गहराई तक जाने में सक्षम करेगा, जिससे हमारे निवेश उत्पाद पहली बार सभी प्रकार के निवेशकों के पास पूर्ण रूप से पहुंचेंगे।' बयान के अनुसार, यूनिफी को अपने म्यूचुअल फंड पर काम शुरू करने के लिए इसी सप्ताह सेबी की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है।

मकाऊ हवाईअड्डे पर ड्यूटी फ्री दुकानें लेगा अडाणी समूह

नई दिल्ली (भाषा)।

अडाणी समूह ने मकाऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयात शुल्क से मुक्त यानी ड्यूटी-फ्री दुकानें खोलने के लिए बोली लगाने की योजना बनाई है। भारत के सबसे बड़े हवाई अड्डा परिचालक समूह ने विदेशों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के इरादे से विदेशी हवाई अड्डे पर ड्यूटी-फ्री दुकानें संचालित करने की योजना बनाई है।

समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा है कि उसने मकाऊ में पूर्ण-स्वामित्व वाली अपनी अनुषंगी कंपनी एमटीआरपीएल मकाऊ लिमिटेड (एमएमएल) के गठन का काम पूरा कर लिया है। कंपनी ने कहा, 'एमएमएल को मकाऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शराब और तंबाकू की शुल्क-मुक्त दुकानों के लिए बोली लगाने के उद्देश्य से बनाया गया है।'

मकाऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमएफएम) ने शुल्क-मुक्त शराब और तंबाकू सेवाओं के लिए अगस्त में एक खुली निविदा प्रक्रिया शुरू की थी। यह बोली प्रक्रिया 29 नवम्बर को बंद होगी। इस हवाई अड्डे की क्षमता सालाना 60 लाख यात्रियों को संभालने की है। अडाणी समूह ने देश के छह हवाई अड्डों- अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम के परिचालन और प्रबंधन का अनुबंध जीतने के बाद वर्ष 2019 में हवाई अड्डा कारोबार में कदम रखा था। इसकी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में 73 प्रतिशत हिस्सेदारी भी है।

यह कारोबार अडाणी एंटरप्राइजेज की इकाई अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के जरिये संचालित किया जाता है।

प.बंगाल में ₹20,000 करोड़ अतिरिक्त निवेश करेंगे मुकेश अंबानी

कोलकाता (भाषा)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने मंगलवार को कहा कि उनकी कंपनी पश्चिम बंगाल में अगले तीन साल में 20,000 करोड़ रु पये का अतिरिक्त निवेश करेगी। यह निवेश खुदरा, दूरसंचार और जैव ऊर्जा क्षेत्र में किया जाएगा।

अंबानी ने यहां चल रहे सातवें बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा, 'हमारी अगले तीन साल में 20,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश की योजना है। यह निवेश दूरसंचार, खुदरा और जैव ऊर्जा क्षेत्र में किया जाएगा। रिलायंस बंगाल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।' अंबानी ने कहा कि रिलायंस ने अब तक बंगाल में करीब 45,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

उन्होंने कहा कि रिलायंस की दूरसंचार इकाई जियो 5जी को राज्य के हर कोने तक ले जा रही है खासकर ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। बंगाल के ज्यादातर हिस्सों को इसके दायरे में शामिल कर लिया गया है। जियो का नेटवर्क राज्य में 98.8 प्रतिशत और कोलकाता दूरसंचार सर्किल में 100 प्रतिशत आबादी को 'कवर' करता है।

समुद्र के रास्ते होगा फल और सब्जियों का निर्यात

■ इसके लिए एक अहम योजना पर काम कर रहा है भारत

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत समुद्री मार्ग से केले, आम, अनार और कटहल जैसे विभिन्न फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रोटोकॉल (व्यवस्था) तैयार कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

फिलहाल इनमें से अधिकांश का निर्यात कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण हवाई मार्ग से हो रहा है। प्रोटोकॉल में यात्रा के समय को समझना, वैज्ञानिक रूप से इन वस्तुओं के पकने को समझना, एक विशेष समय पर कटाई करना और किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है। ये प्रोटोकॉल अलग-अलग फलों और सब्जियों के लिए अलग-अलग होंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि समुद्री मार्ग से निर्यात के दो फायदे (मात्रा और लागत) हैं। इससे फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी क्योंकि हवाई माल परिवहन से निर्यात का इन वस्तुओं की कीमत प्रतिस्पर्धा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने कहा, 'अब तक हम इन खराब होने वाले उत्पादों के निर्यात के लिए हवाई मार्गों का उपयोग कर रहे है। लेकिन अब, हम यह देखने की कोशिश कर रहे है कि इन कृषि उत्पादों को भेजने के लिए समुद्री मार्ग का उपयोग कैसे कर सकते है। अब, हमने इसके लिए समुद्री प्रोटोकॉल विकसित करना शुरू कर दिया है।'

सेंसेक्स में 276 अंकों की बढ़त

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में दो दिन की गिरावट के बाद मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 276 अंक के लाभ में रहा। अमेरिकी बाजारों में तेजी के रुख के बीच धातु, बैंक और ऊर्जा शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 275.62 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढत के साथ 65,930.77 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 427.21 अंक तक चढ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 89.40 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,783.40 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, टाटा स्टील, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, मारुति, भारतीय स्टेट बैंक और लार्सन एंड टुब्रो शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'आज बाजार में सकारात्मक रुख रहा। निवेशकों की नजर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के रुख पर है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में नरमी और रोजगार के बेहतर आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की तरफ से उदार रुख का आधार बनता दिख रहा है।'

उन्होंने कहा कि बान्ड प्रतिफल में गिरावट और डालर सूचकांक ब्याज दर के उच्चस्तर पर पहुंचने का संकेत देता है। नायर ने कहा, 'इससे उभरते बाजारों में संस्थागत निवेशक आकर्षित होंगे। बाजार में जो व्यापक स्तर पर लाभ है, वह टिकाऊ उपभोक्ता और रियल्टी की अगुवाई में आया है और इसकी वजह त्योहारों के दौरान मांग का मजबूत होना है।' अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के आज जारी होने वाले ब्योरे से पहले अमेरिकी डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत नरम होकर 103.33 रहा।

'फ्रॉड प्रीवेन्शन समिट' का आयोजन

नई दिल्ली (वि.)। ट्रूकॉलर ने पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के सहयोग से यहां 'फ्रॉड प्रीवेन्शन समिट' का आयोजन किया। इस सम्मेलन ने उद्योग जगत के दिग्गजों, सरकारी प्रतिनिधियों, टेक्नोलॉजी इनोवेटर्स, नीति निर्माताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्हें 'डिजिटल कम्युनिकेशन में सुरक्षा बढ़ाने' के विषय पर विचार-विमर्श करने का मौका मिला। सम्मेलन में धोखाधड़ी के कानूनी, सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों पर रोशनी डाली गई। ट्रूकॉलर के सह-संस्थापक एवं सीईओ, एलन मामेदी ने कहा, "ट्रूकॉलर में हम अपने प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज को आधुनिक बनाने पर ध्यान देते है ताकि धोखाधड़ी के नए तरीकों को देखते हुए आधुनिक टेक्नोलॉजी के द्वारा इन समस्याओं को हल किया जा सके।

समाधान के योग्य है 'पराली' की समस्या

■ जर्मनी की साफ्टवेयर कंपनी एसएपी के डिप्टी चेयरमैन पुनित रेनजेन की राय

वाशिंगटन (भाषा)। जर्मनी की साफ्टवेयर कंपनी एसएपी के डिप्टी-चेयरमैन पुनित रेनजेन का मानना है कि पराली जलाने की वजह से दिल्ली में पैदा हुई वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान हो सकता है। भारतीय अमेरिकी रेनजेन ने हरियाणा और पंजाब में शुरू की गई दो पायलट परियोजनाओं के आधार पर यह दावा किया है। उन्होंने कहा, 'यह बहुत गंभीर स्थिति है और इसके कई कारण हैं। लेकिन (दिल्ली में) वायु गुणवत्ता संबंधी समस्याओं में पराली जलाने का योगदान लगभग 25 से 30 प्रतिशत का है। उत्तर भारत विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने के 80,000 मामले होते हैं। करीब 1.3 करोड़ टन पराली जलाई जाती है और 1.9 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैस वायुमंडल में फैल जाती हैं।'

भारतीय-अमेरिकी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि पराली जलाने की वजह से 1.5 करोड़ समायोजित जीवन वर्ष का नुकसान होता है जो सालाना दो लोगों की मृत्यु के बराबर है। डेलॉयट के वैश्विक सीईओ (एमेरिटस) ने कहा कि इससे 30 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 'यह उत्तर भारत, दिल्ली और अन्य जगहों पर वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक बड़ा मुद्दा है। और इसका समाधान किया जा सकता है। यह एक समाधान योग्य समस्या है।' रेनजेन ने कहा कि पिछले दो वर्षों से वह हरियाणा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और पराली जलाने के मामलों में कमी आई है। रेनजेन ने कहा, 'इस साल हम नौ जिलों के 660 गांवों में काम कर रहे हैं। इससे हरियाणा में आग जलाने की घटनाओं में 58 प्रतिशत की कमी आई है। तो, यह एक समाधान योग्य समस्या है। हम पंजाब के पटियाला जिले - में भी काम कर रहे हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि हमारा कार्यक्रम इस मुद्दे का समाधान कर सकता है।'

माइक्रोसाफ्ट ने आउटलुक लाइट का किया विस्तार

■ ऐप पर भारतीय भाषाओं का सपोर्ट भी दिया गया ■ कंपनी ने ऐप पर एसएमएस सपोर्ट भी प्रदान किया

नई दिल्ली (वार्ता)।

माइक्रोसाफ्ट ने आउटलुक लाइट में स्थानीय भाषा से जुड़े नए फीचरों के साथ इसके विस्तार की घोषणा की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि आउटलुक लाइट भारतीय यूजरों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया ईमेल और एसएमएस ऐप है।

आउटलुक लाइट के माध्यम से एक छोटे ऐप में माइक्रोसाफ्ट आउटलुक के सभी महत्वपूर्ण फीचर दिए गए है। इससे किसी भी नेटवर्क पर छोटे डिवाइस पर फास्ट परफॉर्मेंस सुनिश्चित होती है। छोटा ऐप होने के साथ-साथ आउटलुक लाइट को उभरते मार्केट यूजर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए आउटलुक लाइट में दो नए फीचर जोड़े गए है। अब आउटलुक लाइट में यूजर को स्थानीय भारतीय भाषाओं और एसएमएस का सपोर्ट भी दिया गया है, जिससे भारतीय यूजर्स ज्यादा प्रभावी तरीके से संवाद करने में सक्षम होंगे। आउटलुक लाइट में वॉइस टाइपिंग, ट्रांसलिटरेशन और ईमेल को स्थानीय भाषाओं में पढ़ने जैसे कई फीचर दिए गए है, जो इसे भारतीय यूजर की जरूरतों के हिसाब से ज्यादा समावेशी और कारगर बनाते है।

इन फीचरों की मदद से यूजर के लिए अपनी पसंदीदा भाषा में ईमेल लिखना और पढ़ना संभव होगा। अभी इसमें पांच भारतीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी और गुजराती का सपोर्ट दिया गया है। जल्द ही इसमें और भी भाषाएं जोड़ी जाएंगी। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए इसमें ज्यादा से ज्यादा भाषा एवं बोली को जोड़ा जाएगा।

आउटलुक लाइट में एसएमएस मैसेजिंग का सपोर्ट भी दिया गया है। इसके माध्यम से यूजर को स्मार्ट इनबॉक्स का विकल्प मिलेगा, जिसमें ट्रांजेक्शन, प्रमोशन और पर्सनल जैसी विभिन्न कैटेगरी में मैसेज को ऑर्गनाइज किया जा सकेगा।

उद्योगों को जम्मू-कश्मीर में निवेश का आमंत्रण

नई दिल्ली (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उद्योग जगत को केंद्र शासित प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर उद्योगों को कई अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रोत्साहन और कारोबारी माहौल की पेशकश कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में कारोबारी माहौल सुरक्षित है। सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के उद्योग विभाग के पास इस समय 86,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक प्रस्ताव हैं और उन्हें जमीन पर लाने का काम चल रहा है।

सिन्हा ने यह भी बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एमार समूह ने श्रीनगर में एक शॉपिंग मॉल और एक आईटी टावर बनाने की योजना की घोषणा की है। सिन्हा ने यहां इंजीनियरिंग क्षेत्र के निर्यातकों को पुरस्कार देते हुए कहा, 'मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप आएं और निवेश करें। विभिन्न क्षेत्रों में बड़े अवसर हैं। हम उद्योग स्थापित करने के लिए अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रोत्साहन प्रदान कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि प्रोत्साहनों में सस्ती बिजली दरें, पूंजी निवेश प्रोत्साहन और ब्याज सहायता शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है और पिछले साल के 1.88 करोड़ के मुकाबले इस साल 2.25 करोड़ पर्यटकों के जम्मू-कश्मीर आने की उम्मीद है।

रुपया चार पैसे चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर गया और डालर के मुकाबले चार पैसे बढ़कर 83.34 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि पेट्रोलियम कंपनियों की डालर मांग और विदेशी कोषों की सतत निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे रुपये में एक सीमित दायरे में कारोबार हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.33 पर खुला और अंत में डालर के मुकाबले 83.34 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से चार पैसे की बढ़त है।

कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के दाम में अंतर बढ़ाए सरकार

नई दिल्ली (भाषा)।

खाद्य तेल उद्योग के निकाय एसईए ने घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए सरकार से कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की मांग की है।

सालवेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष अजय झुनझुनवाला ने संगठन के सदस्यों को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय वनस्पति तेल (खाद्य और गैर-खाद्य तेल मिलाकर) रिफाइनिंग उद्योग इस समय चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने बयान में कहा, 'तीन लाख करोड़ रुपये के आकार वाले भारतीय खाद्य तेल उद्योग का काफी महत्व है।

पिछले 12 वर्षों में इंडोनेशिया और मलयेशिया ने रिफाइंड तेल की तुलना में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर अधिक निर्यात कर लगाया है। इससे रिफाइंड तेल सस्ता हो गया है जिससे भारतीय रिफाइनिंग क्षमता बेकार हो गई है।' झुनझुनवाला ने कहा कि भारत में सीपीओ और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर को घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया गया है जो मलेशिया और इंडोनेशिया में रिफाइनिंग उद्योग के हितों के ही अनुकूल है। उन्होंने कहा कि दोनों तेलों के बीच शुल्क अंतर कम होने से घरेलू वनस्पति तेल रिफाइनिंग उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर को एक बार फिर 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर देना चाहिए।

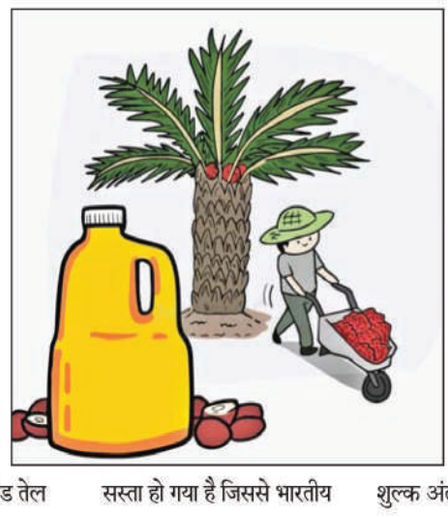

एसईए अध्यक्ष ने कहा कि नवम्बर, 2022- अक्टूबर, 2023 के तेल विपणन सत्र में भारत ने 167.1 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात किया, जो इसका सर्वकालिक उच्चस्तर है। खाद्य तेलों का आयात 164.7 लाख टन के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

रायपुर सहित देश के पांच अलग अलग शहरों में खेले जाएंगे मैच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज में भिड़ंत कल से

भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव और ऑस्ट्रेलिया की करेंगे मैथ्यू वेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हाल ही में विश्व कप का खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम अब 23 नवंबर से मेजबान भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व मैथ्यू वेड करते हुए नजर आएंगे। 5 मैचों की ये सीरीज भारत के अलग-अलग शहरों में खेलगी जाएगी। सीरीज के पांचों मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे से शुरू होंगे।

सूर्यकुमार पहली बार करेंगे भारत की कप्तानी

सूर्यकुमार पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सीनियर टीम की कमान संभालते हुए नजर आने वाले हैं। इससे पहले वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी कर चुके हैं। श्रेयस अय्यर सीरीज के आखिरी 2 टी-20 मैचों में बतौर उप-कप्तान टीम के साथ जुड़ेंगे। उससे पहले शुरुआती 3 मैचों में रुतुराज गायकवाड़ उप-कप्तान होंगे और पूरी सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार को टीम में जगह नहीं दी गई है।

23 से शुरू होगी टी-20 सीरीज

23 नवंबर को विशाखापट्टनम में होने वाले टी-20 मैच के साथ सीरीज की शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद 26 नवंबर को तिरुवनंतपुरम में और 28 नवंबर को गुवाहटी में दूसरे और तीसरे मैच खेले जाएंगे। सीरीज के आखिरी 2 मुकाबले क्रमशः 1 दिसंबर और 3 दिसंबर को खेले जाएंगे। बता दें कि चौथा टी-20 मैच रायपुर में और आखिरी टी-20 मैच की मेजबानी बेंगलुरु के खाते में गई है।

वार्नर सहित कई खिलाड़ी नहीं खेलेंगे

वनडे विश्व कप में 535 रन बनाने वाले डेविड वार्नर ने टी-20 सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। युवा ऑलराउंडर एरोन हार्डी को वार्नर की जगह पर टीम में शामिल किया गया है। बता दें कि हार्डी ने इस साल अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उनसे अलावा पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और मिचेल मार्श जैसे प्रमुख खिलाड़ी भी इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

कब और कहां देखें मैच?

सीरीज का सीधा प्रसारण स्पोर्ट्स-18 और कलर्स सिनेप्लेक्स टीवी चैनलों पर किया जाएगा। इसके अलावा जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट पर भी इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

भारत ने पिछली सीरीज में किया था क्लीन स्वीप

भारत ने अपने घर पर ऑस्ट्रेलिया को 6 टी-20 मैचों में हराया है और 4 में शिकस्त झेली है। आखिरी बार सितंबर 2022 में मेजबान भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच अब तक कुल 26 टी-20 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम को 15 मुकाबलों में जीत मिली है और कंगारू टीम ने 10 मैच जीते हैं। इनके अलावा 1 मैच बेनतीजा रहा है।

ऐसी है भारतीय टीम

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), ईशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस अय्यर (आखिरी 2 मैचों के लिए), आवेश खान और मुकेश कुमार।

ऐसी है ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलिया टीम : मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडॉर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, केन रिचर्डसन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, एरोन हार्डी, एडम जैम्पा।

खबर संक्षेप

हार के बावजूद अमेरिका ने कोपा में जगह बनाई

वाशिंगटन। सर्जिनो डेस्ट को 30 सेकंड के अंदर दो पीले कार्ड मिलने के कारण 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही अमेरिका की टीम त्रिनिदाद से हार के बावजूद अगले साल होने वाली कोपा अमेरिका फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही। त्रिनिदाद ने पोर्ट ऑफ स्पेन में सोमवार को खेले गए मैच में 2-1 से जीत दर्ज की। उसने अपने दोनों गोल डेस्ट को 39वें मिनट में बाहर किए जाने के बाद किये। अमेरिका कोपा में खेलेंगी 16 टीमें अमेरिका ने पिछले सप्ताह ऑस्टिन में खेले गए पहले चरण के मैच में 3-0 से जीत हासिल की थी। उसने इस तरह से त्रिनिदाद को 4-2 के कुल अंतर से हराकर कोपा अमेरिका में अपनी जगह सुरक्षित की, जिसमें कुल 16 टीम भाग लेंगी। अमेरिका ने इस तरह से इस साल का अंत 11 जीत, चार हार और पांच ड्रा के साथ किया।

ब्रेटली बोले- विराट वनडे का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अनुभवी भारतीय बल्लेबाज

विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने वनडे का अब तक का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया है। विश्व कप 2023 में कोहली ने 11 मैच की इतनी ही पारियों में 765 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 अर्धशतक और 3 शानदार शतक भी लगाए। ली ने कहा, आंकड़े साबित करते हैं कि भारतीय स्टार में आंतरिक दृढ़ संकल्प है और वह अहंकारी हुए बिना विनम्र रहते हैं।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषित

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में 22 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाले सीनियर राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए सोमवार को 34 सदस्यीय संभावित टीम घोषित की। भारत को 15 से 22 दिसंबर के बीच वेलेंसिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। भारत के अलावा इस प्रतियोगिता में आयरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और मेजबान स्पेन की टीम भाग लेगी। रांची में 13 जनवरी से शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए भारतीय टीम की तैयारी के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है।

अगला ओवर फेंकने में तीन बार एक मिनट देर करने पर कटेंगे पांच रन

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को कहा कि पुरुष एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में अगर गेंदबाज अगला ओवर फेंकने के लिए 60 सेकेंड से अधिक समय लेता है तो पारी में तीसरी बार ऐसा करने पर गेंदबाजी टीम पर पांच रन की पेनल्टी लगाई जाएगी।

इस नियम का इस्तेमाल शुरुआत में ट्रायल के तौर पर होगा। आईसीसी के बोर्ड की यहां हुई बैठक में यह फैसला किया गया। इस घड़ी का इस्तेमाल ओवरों के बीच में लगने वाले समय पर नजर रखने के लिए किया जाएगा।

दिसंबर के बाद के मैचों में ट्रॉयल

आईसीसी ने बयान में कहा मुख्य कार्यकारियों की समिति इस बात पर सहमत हुई के पुरुष एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दिसंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक ट्रायल के आधार पर 'स्टॉप क्लॉक' का इस्तेमाल किया जाएगा। बयान के अनुसार, ''अगर गेंदबाजी टीम पिछला ओवर खत्म करने के 60 सेकेंड के भीतर अगला ओवर फेंकने के लिए तैयार नहीं होती है तो पारी में तीसरी बार ऐसा करने पर पांच रन की पेनल्टी लगाई जाएगी।

पिच व आउटफील्ड नियमों में भी हुआ बदलाव

आईसीसी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से पिच को प्रतिबंधित करने की अपनी प्रक्रिया में भी बदलाव किया। आईसीसी ने कहा, ''पिच और आउटफील्ड निगरानी नियमों में बदलाव को भी मंजूरी दी गई जिसमें उन मानदंडों को सरल बनाना शामिल है जिनके आधार पर पिच का मूल्यांकन किया जाता है। आयोजन स्थल का अंतरराष्ट्रीय दर्जा हटाने के लिए अब पांच साल में डिमेरिट अंकों की संख्या को पांच की जगह छह अंक किया जाएगा।

मैच देखने स्टेडियम पहुंचे 12 लाख 50 हजार दर्शक, बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत में हाल में संपन्न हुए वनडे विश्व कप के मैचों को 12 लाख 50 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा जो हर चार साल में होने वाली इस प्रतियोगिता का नया रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को बताया कि इस टूर्नामेंट को कुल 12, 50,307 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा। टूर्नामेंट में जब छह मैच बचे थे तभी दर्शकों का आंकड़ा 10 लाख की जादुई संख्या को पार कर चुका था। विश्व कप में दर्शकों का यह आंकड़ा नया रिकॉर्ड है। सेमीफाइनल और फाइनल सहित टूर्नामेंट में कुल 48 मैच खेले गए और इस तरह से प्रति मैच दर्शकों की संख्या लगभग 26,000 रही। भारत में हुए विश्व कप ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2015 में खेले गए विश्व कप के आंकड़े को पीछे छोड़ा, जिसमें कुल 10,16,420 दर्शक आए थे। इंग्लैंड और वेल्स में 2019 में खेले गए विश्व कप को 7,52,000 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा था। भारत में खेले गए विश्व कप में कुल 10 टीम ने हिस्सा लिया था जिन्होंने राउंड रॉबिन आधार पर एक दूसरे से मैच खेले।

श्रीलंका की जगह अब द.अफ्रीका में खेला जाएगा अंडर-19 विश्व कप

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को किया हुआ है निलंबित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। इस बीच श्रीलंका के लिए एक और बुरी खबर सामने आई है।

दरअसल, अगले साल होने वाले अंडर-19 विश्व कप का आयोजन जो श्रीलंका में किया जाना था, वो अब दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा। बता दें कि अभी इस पर आईसीसी की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का निलंबन रहेगा बरकरार

क्रिकबज में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप को श्रीलंका से दक्षिण अफ्रीका में स्थानांतरित कर दिया है। श्रीलंका क्रिकेट में प्रशासनिक अनिश्चितता को देखते हुए क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कड़ा फैसला लिया है। इस बीच ऐसी भी खबरें हैं कि आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को निलंबित करने के 10 नवंबर के फैसले को बरकरार रखा है। ऐसे में यह श्रीलंका के लिए दोहरा झटका है।

क्यों किया गया था श्रीलंका बोर्ड को निलंबित?

वनडे विश्व कप 2023 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बड़े अंतर से मिली हार (302 रन) के बाद श्रीलंका के खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। सरकार की मानें तो यह कार्रवाई विश्व कप में प्रदर्शन के अलावा बोर्ड पर पिछले कुछ समय से मिल रही भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद लिया गया था। क्रिकेट बोर्ड में सरकार के अत्यधिक दखल के बीच आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को निलंबित कर दिया था।

13 जनवरी से होगी विश्व कप की शुरुआत

पूर्व में तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार, अंडर-19 विश्व कप 2024 का आयोजन 13 जनवरी से 4 फरवरी के बीच खेला जाना है। लगभग इसी समय दक्षिण अफ्रीका की घरेलू टी-20 लीग (**SA**20) का दूसरा संस्करण भी खेला जाना है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है कि उनका बोर्ड दोनों प्रतियोगिताओं को एक समय में आयोजित कराने में सक्षम है। अब तक 2 बार (2000 और 2006) अंडर-19 विश्व कप श्रीलंका में सफलतापूर्वक खेला जा चुका था।

प्रणय, सात्विक-चिराग चीन मास्टर्स के दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| शेनझेन

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। पीठ की चोट के कारण कुछ टूर्नामेंट से बाहर रहने वाले 31 साल के प्रणय ने पहले दौर में दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी को 21-18 22-20 से हराया और पिछले हफ्ते जापान में मिली हार का बदला चुकता कर दिया।

प्रणय की भिड़ंत अगले दौर के विजेता से

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय अगले दौर में हांगकांग के ली च्युक यीयू और डेनमार्क के मैग्नस योहानसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

सात्विक व शेट्टी की भिड़त जापानियों से : सात्विक और चिराग की राष्ट्रमंडल

खेलों की चैंपियन जोड़ी अगले दौर में जापान के अकीरा कोगा और ताइची साइतो के खिलाफ उतरेगी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता शीर्ष वरीय जोड़ी भी इंग्लैंड के बेन लेन और सीन वेंडी के खिलाफ 21-13 21-10 की आसान जीत के साथ पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही।

आकर्षी कश्यप प्रतियोगिता से हुईं बाहर

महिला एकल में भारत की एकमात्र खिलाड़ी आकर्षी कश्यप चीन की झेंग यी मान के खिलाफ 33 मिनट में 12-21 14-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय इससे पहले चेन के खिलाफ चार मैच ही जीत पाए थे जबकि सात में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। चेन ने स्कोर 12-14 किया लेकिन शानदार खेल दिखाते हुए गेम और मैच जीत लिया।

क्रिकेट खिलाड़ी वेंकटेश ने की श्रुति से सगाई...

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी और इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले वेंकटेश अय्यर ने अपनी प्रेमिका श्रुति रघुनाथन से सगाई की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरे जीवन के अगले अध्याय की ओर।' अर्शदीप सिंह, अवेश खान और श्रेयस अय्यर समेत कई खिलाड़ियों ने वेंकटेश को बधाई दी है। श्रुति इस समय में बेंगलुरु कर्नाटक में लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में मर्चेंडाइज प्लानर के रूप में काम कर रही हैं।

पंकज आडवाणी ने 26वीं बार विश्व जीता बिलियर्ड्स चैंपियनशिप

दोहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने मंगलवार को यहां फाइनल में हमवतन सौरव कोठारी को हराकर 26वीं बार आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। आडवाणी ने कुआलालंपुर में पिछले साल के खिताबी मुकाबले की पुनरावृति में कोठारी को 1000–416 से हराया। आडवाणी ने अपना पहला विश्व खिताब 2005 में जीता था। आडवाणी ने 'लंबे प्रारूप' में नौ बार खिताब जीता है जबकि 'अंक प्रारूप' में वह आठ बार चैंपियन रहे हैं। इसके अलावा वह एक बार विश्व टीम बिलियर्ड्स चैंपियनशिप भी जीतने में सफल रहे।

ऑस्ट्रेलिया संग टी-20 क्रिकेट में किया गया शामिल, शानदार फार्म में हैं खिलाड़ी

अर्शदीप पर टिकीं नजरें, तेज गेंदबाजी में दुनिया के तीसरे खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम अब अगली सीरीज ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलने वाली है। इस टी-20 सीरीज में टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव होंगे।

23 नवंबर से शुरू हो रही इस सीरीज में सबकी निगाहें तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर भी होगी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में यह खिलाड़ी पिछले काफी दिनों से अच्छा प्रदर्शन करते आया है। कम से कम 50 टी-20 विकेट लेने वाले पूर्ण सदस्यीय टीम के तेज गेंदबाजों में उनका औसत तीसरा सबसे अच्छा है।

तेज गेंदबाजों में तीसरा सबसे अच्छा औसत : अर्शदीप का टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में औसत 18.87 का है। 50 या इससे ज्यादा टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट (केवल पूर्ण

सदस्य टीम के खिलाड़ी) लेने वाले तेज गेंदबाजों में यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ है। इस मामले में पाकिस्तान के उमर गुल (16.97) और दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन (18.35) उनसे आगे हैं। कोई भी बाएं हाथ का तेज गेंदबाज अर्शदीप से आगे नहीं है। 50 टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले भारतीयों में केवल कुलदीप यादव का औसत अर्शदीप से बेहतर (14.57) है।

सबसे तेज 50 टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट

साल 2023 की शुरुआत में अर्शदीप ने भारत के लिए खेलते हुए 50 विकेट पूरे किए थे। वह 50 विकेट लेने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज गेंदबाज हैं। अर्शदीप ने 33 मैचों में इस उपलब्धि को अपने नाम किया था। आयरलैंड के मार्क अडायर (28) और दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी (32) उनसे आगे हैं। भारत के खिलाड़ियों में केवल कुलदीप ही उनसे आगे (30 मैच) हैं।

डेब्यू के बाद से सर्वाधिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट

अर्शदीप ने साल 2022 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ पहला टी-20 खेला था। इसके बाद वह भारतीय टीम के नियमित सदस्य बन गए हैं। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 36 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 1 बार 4 विकेट हॉल के साथ 54 विकेट हासिल किए हैं। डेब्यू के बाद से किसी पूर्ण सदस्यीय टीम के गेंदबाज में सबसे ज्यादा टी-20 विकेट अर्शदीप ने ही लिए हैं।

टी-20 में 50 विकेट से 2 विकेट दूर

बाएं हाथ के स्टार तेज गेंदबाज ने साल 2023 में 38 टी-20 मैच खेले हैं और 24.10 की औसत से 48 विकेट लिए हैं। इनमें से 21 विकेट उन्होंने 15 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में लिए हैं। हाल ही में समाप्त हुई सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में पंजाब के लिए खेलते हुए अर्शदीप ने 9 मैचों में 7.59 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए थे।

सुरता

ज्योति पटेल

लोक कला के पुजेरी रिहिन
दाऊ महासिंह चंद्राकर

दाऊ महासिंह चंद्राकर ने सोनहा बिहान में दास गुरूजी, केदार यादव समेत कलाकारी के टीम बनाके प्रस्तुति देव। सोनहा बिहान के बाद लोरिक चंदा, लोक गाथा ल विशुद्ध खेड़ साज में प्रस्तुत करेव। लोरिक चंदा ल खूब सफलता मिलिस।

दाऊ महासिंह चंद्राकर के जनम दुर्ग जिला के आमदी गांव में 1917 के होय रिहिस हे। एक राऊत कलाकार के बांसगीत ले प्रभावित होके लोककला आपके रूझान होइस। आप अपन आप ल कला क्षेत्र

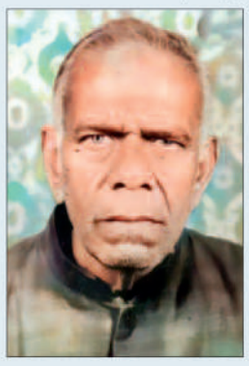

में प्रेरणा स्त्रोत डा. नरेन्द्र देव वर्मा ल मानथो। आप मन इंकर लिखे उपन्यास 'सुबह की तलाश' के छत्तीसगढ़ी रूपांतरण ल सोनहा बिहान लोकमंच के रूप म प्रदर्शित करेव। आप मन के नोनी पद्मश्री ममता चंद्राकर आए, जेन लोक गायकी के क्षेत्र में अपन विशेष पहचान बनइस। आप मन सोनहा बिहान में दास गुरूजी, केदार यादव समेत कलाकारी के टीम बनाके प्रस्तुति देव। सोनहा बिहान के बाद लोरिक चंदा, लोक गाथा ल विशुद्ध खेड़ साज में प्रस्तुत करेव। लोरिक चंदा ल खूब सफलता मिलिस। अपन मंच के माध्यम ले कतको नवा कलाकार ल तियार करेव। येकर बाद लोक कलाकार दुर्वासा टंडन के संगत ले लोक कला डहान कदम रखेव। महासिंह चंद्राकर जी के छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य नाचा म जबरदस्त पकड़ रिहिस। आप नाचा-गम्मत कलाकार के रूप में चर्चित रहेव। मालगुजार परिवार होय के सेती कलाकारी लैन म आना दूसर ल खटके। आप छत्तीसगढ़ी संस्कृति के जम्मो विधा म बुता करेव। चंद्राकर जी सोनहा बिहान ले लेके लोरिक चंदा के प्रस्तुति के लंबा रसता तय करिन। कतको कलाकार मन ल अपन मंच के माध्यम ले तियार करेव, जेन मन आज नामी कलाकार के रूप में कला के खुशबू ल बिखेरत हें। आपके कला यात्रा बड़ लंबा रिहिस जेला कम शब्द में बयां नी करे जा सके।

पुस्तक समीक्षा

अछूत अभागन (लोक नाट्य)

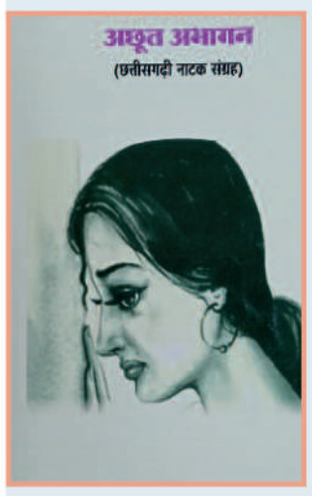

कृति के नाव
अछूत अभागन

कृतिकार
डा. मणी मनेश्वर ध्येय

प्रकाशक
छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग

समीक्षक
विनोद साव

छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखा हुआ नाटक ह्यअछूत अभागनह्न दलित महिला की व्यथा पर आधारित है, जिसमें स्त्री सम्मान का जीवन, हर शहर-गांव पर पूरी तरह लागू होता है। यह नाटक विधा के अपने सुगठित प्रारूप और प्रवाहमय संवादों से पाठकों की संवेदना को पूरी तरह से झकझोरने में कामयाब होती कथा है। इसमें एक अच्छे नाटक होने के सभी गुण हैं और न केवल नाटक होने के बल्कि इस नाटक का फिल्मीकरण भी किया जा सकता है। समाज एक चकाचौंधी विकास में लिप्त है। उसकी संवेदनाएं छीज रही हैं। स्त्री की दशा विषम परिस्थितियों में क्या हो जाती है और उसके लिए कौन जिम्मेदार है? यह अभी भी तय नहीं है। ऐसे कितने ही सवालों को बहुत दम व दिलचस्पी के साथ नाटककार ने यहां उठाया है। पाठकों के समक्ष लेखक नारी जीवन की सच्चाई को अच्छी तरह से रखने में सफल नजर आ रहे हैं, पाठक भी इस नाटक को पढ़कर कुछ न कुछ निष्कर्ष निकाल पाने की स्थिति में अवश्य नजर आएंगे।

रायपुर जिले के वि.ख. अभनपुर स्थित चंडी ग्राम की कई विशेषताएं जुड़ी हैं। यहां ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के स्थलों में माता चंडी के नाम पर गांव चंडी बस गया है। यहां स्थित मां चंडी के नाम पर पौराणिक कथा प्रचलित है, जिसमें राज दरबार और उनसे जुड़ी घटनाओं का उल्लेख मिलता है। इस कथा में राजा मोरध्वज का भी उल्लेख मिलता है। यह मंदिर गुप्त साधना स्थल भी रहा है। मंदिर की बनावट शैली और नमूने को देखकर ही अंदाजा लग जाता है कि मंदिर काफी पुराना है।

माता चंडी के नाम पर ग्राम चंडी

छत्तीसगढ़ अंचल में माता के अनेक रूपों को पूजित किया जाता है, इन माता में रायपुर जिले के वि.ख. अभनपुर स्थित चंडी ग्राम की कई विशेषताएं जुड़ी हैं। यहां ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के स्थलों में माता चंडी के नाम पर गांव चंडी बसाया गया है। यहां स्थित मां चंडी के नाम पर पौराणिक कथा प्रचलित है, जिसमें राज दरबार और उनसे जुड़ी घटनाओं का उल्लेख मिलता है। इस कथा में राजा मोरध्वज का भी उल्लेख मिलता है। यह मंदिर गुप्त साधना स्थल भी रहा है। मंदिर की बनावट शैली और नमूने को देखकर ही अंदाजा लग जाता है कि मंदिर काफी पुराना है। यहां अकोल वृक्ष की काफी मान्यता है। आसपास के गांवों में भी अकोल वृक्षों की अधिकता है। माना जाता है कि चंडी माता इन्हीं पांच अकोल वृक्षों के बीच विराजमान थीं। मंदिर की महत्ता इतनी अधिक है कि आसपास के गांव के लोग तीज-त्यौहार और मांगलिक कार्यों के शुरूआत के पहले मां का आशीर्वाद लेकर ही कार्य शुभारंभ करते हैं। इसके साथ ही ऐतिहासिक तथ्यों में मंदिर के इटों की बनावट, चमत्कारी बावली, वृक्षों की मान्यता जैसे अनेक पहलु इस मंदिर से जुड़े हैं। अनेक श्रद्धालु मानते हैं कि माता भक्तों की मांग अवश्य पूरी करती हैं, इसी कारण भक्तों की भीड़ लगातार माता के मंदिर में बढ़ती जा रही है। पूरे वर्ष भजन, कीर्तन, जसगायन, रामलीला, प्रवचन और भागवत ज्ञान सप्ताह का आयोजन होते रहते हैं। इसी के साथ ही वर्ष के दोनों नवरात्रि पर श्रद्धालु मान्यता पूरी होने पर ज्योति कलश प्रज्जवलित करते हैं। हर वर्ष ज्योति प्रज्जवल में बढ़ोतरी होना माता के प्रति आस्था को प्रगाढ़ करते हैं।

गांव की कहानी : चेतन भारती

मन ल मोहथे कुलाप जलप्रपात

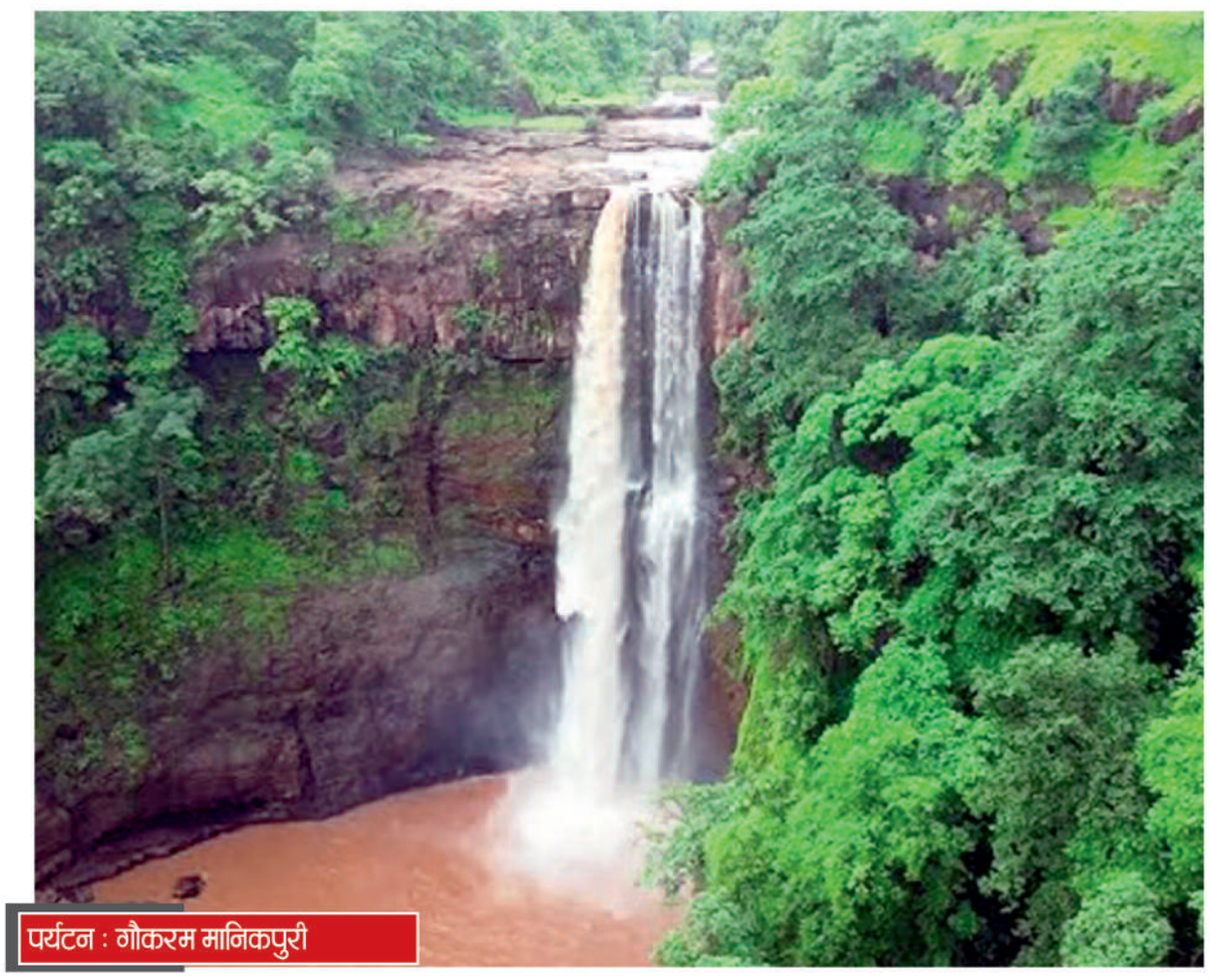

पर्यटन : गौकरम मानिकपुरी

हमर छत्तीसगढ़ अंचल म बड़ अकन तीरथ जगा के महत्ता हे, वइसने झील-झरना के घलो महत्व हे। इसी कड़ी म गरियाबंद जिला के उपलब्धि ल कोनो कमती नी आंक सके। इहां धरती दाई के कोरा म जतमई, घटारानी अउ बाढ़त महादेव के शिवलिंग के दर्शन खातिर लोगन दूरिहा दूरिहा ले आथें, अइसने झरना ल देखे बर आने वाला मन के कोनो कमी नी रहाय। ऐ अंचल में कुलाप झरना के घलो बड़ महत्व हे। खासकर बरसात के दिन में येला देखे में मन बड़ प्रफुल्लित हो जथे। ऐ जगा ल बहुत कम मन जानथें अउ जेन मन जानथें वो मन इहां घूमें बर आथेंच। नीचे तरिया असन पानी म मिलके धार के रूप में बोहात आगू बढ़ जथे। बड़ ऊपर ले गिरत पानी ह लोगन के मन ल मोह लेथे। कतको झन ऐ पानी में नहाय के आंनद लेबर घलो कमी नी करें। धीरे धीरे ऐ जल प्रपात ल लोगन मन जानत जावत हे त घूमें बर अवैय्या मन के संख्या बाढ़त जावत हे। ऐ जगा में जाए बर सुघ्घर रद्दा बन जही ते पर्यटक मन के संख्या म बढ़ोतरी होना सुभाविक हे।

संस्कृति

डा. परदेशीराम वर्मा

जाति विशेष की सामाजिक व्यवस्था

केंवट निषाद जाति में भोज के समय कोई मिर्च परोसता है तब मिर्च के लिए चिंगरी शब्द का प्रयोग परोसने वाला करता है। चूंकि इस जाति का मुख्य व्यवसाय मछली मारने का है इसलिए आकृति की सादृश्यता के कारण मछलियों में चिंगरी को लाल मिर्च की तरह पाकर यह शब्द चुना गया होगा। निषाद समाज के पंगत में जब भात परोसा जाता है तब आग्रहपूर्वक कहा जाता है कोदई लो। कोदई, कोदो से बनता है।

लगभग समस्त छत्तीसगढ़ सभी प्रयोगों को समझता है। एकरूपता की अंर्तधारा छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रवाहमान है। विशेषज्ञों को काम करने के लिए कई चुनौतियां भी हैं। भिन्न भिन्न जातियों में विशिष्ट शब्दों का भंडार है। दर्पण के लिए दिरछैंया और पठेरा या आला के लिए दिरखा शब्द एक जाति में प्रचलित है। उसी तरह केंवट निषाद जाति में भोज के समय कोई मिर्च परोसता है तब मिर्च के लिए चिंगरी शब्द का प्रयोग परोसने वाला करता है। चूंकि इस जाति का मुख्य व्यवसाय मछली मारने का है इसलिए आकृति की सादृश्यता के कारण मछलियों में चिंगरी को लाल मिर्च की तरह पाकर यह शब्द चुना गया होगा। निषाद समाज के पंगत में जब भात परोसा जाता है तब आग्रहपूर्वक कहा जाता है कोदई लो। कोदई, कोदो से बनता है। श्रमिक आदिवासी, पिछड़ा और सामंतशाही का ताप सहते हुए जीवन जीने वाली जातियों में भात के लिए कोदई कहने की परंपरा आई। यह उनके जीवन की दशा को इतिहास के परिपेक्ष्य में दर्शाता है। भात गौंटिया, जमींदार या संपन्न व्यक्ति खाता है, गरीब तबके के लोग कोदई से पेट भरते हैं। यह लोक सत्य है। इसलिए आज भी इन जातियों के सामने भात कोदई के नाम से आता है।

लोक साहित्य

रोशन कुमार साहू

लोकगीत में रागी के महत्व

लोकजीवन में गायन शैली घलो ओतका महत्व रखथे, जतका नृत्य शैली। दूनों ही स्थिति में रागी अउ रागिनी के भूमिका ल नकारा नी जा सके। इंकर भूमिका प्रत्यक्ष रूप से कलाकार तो संबल तो देते ही, साथ ही प्रसंग संग गीत अउ नृत्य ल रोचक बनाए में इंकर बहुत बड़ भूमिका होथे। पंडवानी गायन तो बिना रागी के पूरा हो ही नइ सकय। पुरूष जेन ह गायक के संग हुंकार भरे मा माहिर होथे, अउ बीच-बीच में हंसी के फुलझड़ी छोड़त रहिथें वोहा दर्शक मन ल बांधे के बूता करथें। गायक अउ दर्शक मन ल एक सूत्र म जोड़े के कड़ी होथे।

छत्तीसगढ़ी लोकजीवन में गायन शैली घलो ओतका महत्व रखथे, जतका नृत्य शैली। दूनों ही स्थिति में रागी अउ रागिनी के भूमिका ल नकारा नी जा सके। इंकर भूमिका प्रत्यक्ष रूप से कलाकार तो संबल तो देते ही, साथ ही प्रसंग संग गीत अउ नृत्य ल रोचक बनाए में इंकर बहुत बड़ भूमिका होथे। पंडवानी गायन तो बिना रागी के पूरा हो ही नइ सकय। पुरूष जेन ह गायक के संग हुंकार भरे मा माहिर होथे, अउ बीच-बीच में हंसी के फुलझड़ी छोड़त रहिथें वोहा दर्शक मन ल बांधे के बूता करथें। गायक अउ दर्शक मन ल एक सूत्र म जोड़े के कड़ी होथे। होथे तो ऐ मन सहायक कलाकार, फेर मुख्य कलाकार के सूत्रधार बरोबर भूमिका ल निभाय म घलो कमी नी करें।

सीडीओ ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्काउट गाइड की रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

शत-प्रतिशत पात्र महिला/पुरूष/दिव्यांग मतदाताओं को सूची से जोड़ना एवं मतदान के प्रति जागरूक करना स्वीप कार्यक्रम का उद्देश्य : सीडीओ

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में जनपद में पुरूष व महिला तथा दिव्यांग मतदाताओं द्वारा शत-प्रतिशत मतदान के दृष्टिगत व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (स्वीप) कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदान के प्रति आम जनमानस को जागरूक एवं उत्साहित करने हेतु मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार ने हीरालाल इण्टर कॉलेज खलीलाबाद के प्रांगण से छात्र तथा छात्राओं एवं स्काउट गाईड के बच्चों की रैली को को प्रातः 09 बजे हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जनपद में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने एवं शत-प्रतिशत पात्र एवं आगामी 01 जनवरी 2024 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहें युवक

– युवतियों सहित सभी पुरूष व महिला वोटर्स को मतदाता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु आमजनमानस को जागरूक करने हेतु आयोजित इस रैली में हीरालाल इण्टर कालेज खलीलाबाद, राजकीय कन्या इण्टर कालेज खलीलाबाद, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं जूनियर हाईस्कूल खलीलाबाद के लगभग 700 छात्र/छात्राओं द्वारा बैनर एवं पोस्टर के साथ प्रतिभाग किया गया। स्वीप प्रभारी/मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में हीरालाल इण्टर कालेज, खलीलाबाद से समय माता जी मन्दिर तिराहा होते हुए वापस हीरालाल इण्टर कालेज, खलीलाबाद तक मतदाता जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस बल एवं यातायात पुलिस द्वारा भी सहयोग किया गया। इसमें एन०सी०सी० स्काउट गाइड के छात्र/छात्राएं भी बैण्ड थुन के साथ शामिल थे। मतदाता जागरुकता रेली समाप्त होने के उपरान्त मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार द्वारा हीरालाल इण्टर कालेज खलीलाबाद में छात्र/छात्राओं को मतदाता सूची में नाम अंकित कराने, मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं मतदाता जागरुकता हेतु शपथ भी दिलाया गयी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संदीप चौधरी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार मिश्र, प्रधानाचार्य एच0आर0आई0सी0 राम कुमार सिंह, प्रधानाचार्या बालिका इण्टर कॉलेज निशा यादव, प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज सबिहा मुमताज, प्रवक्ता एवं स्काउट गाईड प्रभारी रवि प्रकाश, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित सम्बंधित अधिकारी, शिक्षक तथा शिक्षिकाएं, छात्र एवं छात्रांए आदि उपस्थित रहे।

बोलेरो ने सड़क किनारे तीन को रौंदा एक मौत दो घायल

प्रखर संतकबीरनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बूधा कलाँ चौराहे पर बस्ती की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही पिकप ने आगे चल रही बोलेरो में टक्कर मार दी जिससे बोलेरो अन्यत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दिया। इसमें एक की जहां मौत हो गई, वहीं दो घायल हो गए। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। बूधा कलाँ गांव निवासी मृतक महिला लालमती (58) पत्नी झिनकान ,अच्छे लाल (16) पुत्र लाल चन्द्र , उदयराज (56) पुत्र ढोढ़ई सभी रोड के किनारे रोड पार करने के लिये खड़ा थे। तभी बस्ती की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही पिकप ने आगे चल रही बोलेरो में टक्कर मार दिया जिससे बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े तीनों लोग को रौंद दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस प्रभारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह घटना स्थल पर पहुंच घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी हाउस भेजवाया गया। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा हैं।

सूक्ष्मजीव अनुकल्प रसायन-मुक्त खेती में सशक्त जैविक विकल्प

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को खेती में जैविक विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए आज वाराणसी एवं मिजार्पुर जनपद के ग्राम कादीचक एवं नक्कूपुर से आये 50 किसानों को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गयाे संस्थान के निदेशक डॉ तुषार कांति बेहेरा के निर्देशन में किसानों के बीच खेतों में जैविक संसाधनों को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में खेतों में आयोजित जैविक संसाधन संवर्धन कार्यक्रम का संचालन संस्थान के कार्यकारी निदेशक एवं फसल उन्नयन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नागेन्द्र रॉय के दिशा निर्देश में किया गया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डी.पी. सिंह ने किसानों को जैविक खेती में सूक्ष्मजीव अनुकल्पों के उपयोग के माध्यम से मिट्टी और पौधों दोनों के स्वास्थ्य को संवर्धित करने की आवश्यकता के बारे में बताया` डॉ सिंह ने सूक्ष्मजीव अनुकल्पों द्वारा टमाटर के पौधों और गेंहूँ के बीजों के शोधन का सजीव प्रदर्शन करते हुए किसानों को बताया कि वर्तमान सूक्ष्मजीव टेक्नोलॉजी से नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक आदि मिट्टी में पोषित करने वाले पाउडर और तरल सूक्ष्मजीव अनुकल्प विकसित किये जा चुके हैं और किसानों को उपलब्ध हैं। नाइट्रोजन संश्लेषक एजोटोबैक्टर और फास्फेट विलायक जीवाणुओं का संस्थान द्वारा विकसित बैसिलस के जीवाणुओं के तरल कॉन्सोर्टिया को किसानों को वितरित भी किया गया उन्होंने बताया कि मिट्टी का जैविक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिये गोबर की खाद के साथ घुलनशील जीवाणु कल्चर मिला कर डालने से खेत की गुणवत्ता में सुधार होता है और इससे रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी लाई जा सकती है डॉ नागेंद्र राय ने कहा कि जीवाणु कल्चर से बीज एवं नर्सरी पौधों को उपचारित करना चाहिए। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सुभजीत रॉय ने बताया कि रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए जैविक बायों एजेंट एक सशक्त विकल्प के तौर पर उभर रहे हैं जिससे मिट्टी एवं पौधों की सभी जरुरतों को लंबे समय तक पूरा किया जा सकता है तथा कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं सभी किसानों को गेंहू एवं जैविक कल्चर (बायो एन.पी.के. एवं फास्फेट घुलनशील जीवाणु कल्चर) बीसी 6 कॉन्सोर्टिया बीज एवं जड़ शोधन हेतु दिया गया।

सनबीम सनसिटी में अत्याधुनिक सुविधा से युक्त खेल परिसर ऑप्टिमस का भव्य उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सनबीम सनसिटी में 22 नवंबर बुधवार को अत्याधुनिक सुविधा से युक्त खेल परिसर ऑप्टिमस का भव्य उद्घाटन किया गया` कार्यक्रम की शुरूआत नए इनडोर खेल परिसर ऑप्टिमस में सभी आमंत्रित लोगों के स्वागत के साथ हुई खेल परिसर ऑप्टिमस में 3 बैडमिंटन कोर्ट, एक विशाल बास्केटबॉल कोर्ट और एक अच्छी तरह से सुसज्जित जिम शामिल है अध्यक्ष सनबीम समूह डॉ. दीपक मधोक ने विशेष अतिथियों वैभव सिंह FIBA (इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन रेफरी), प्रियेश श्रीवास्तव राज्य स्तरीय बास्केटबॉल खिलाड़ी यूपी और डॉ धीरेंद्र श्रीवास्तव बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और बीएचयू के बास्केटबॉल कोच के साथ 'सपने देखो, विश्वास करो और हासिल करो' के प्रेरक मंत्र से सजी एक झांकी का अनावरण कर कार्यक्रम स्थल का उद्घाटन किया`। उद्घाटन के बाद सम्मानित अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों ने बैडमिंटन और बास्केटबॉल के रोमांचक मैत्री पूर्ण मैचों का आनंद लियाे छात्रों की जीवंत ऊर्जा ने मैदान को रोमांचित कर दिया जिससे सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों ने सराहना की और करतल ध्वनि कर उनका उत्साहवर्धन किया इस अवसर पर सनबीम ग्रामीण स्कूल की कक्षाओं में वर्चुअल असिस्टेंट तकनीक 'एलेक्सा' का उपहार देकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरूआत की गई जिससे छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में मदद मिलेगी। तदोपरांत पत्रकार वार्ता में डॉ. दीपक मधोक ने समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सनबीम सनसिटी में खेल और शिक्षा दोनों की अभिन्न भूमिका पर जोर दिया उन्होंने सनबीम सनसिटी की बोर्डिंग सुविधा पर प्रकाश डाला जो 600 छात्रों के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा स्कूल छात्रावास है उन्होंने यह भी बताया कि इसके डे स्कूल के छात्र, बोर्डिंग छात्रों की तरह ही परिसर की सभी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। सनबीम समूह की निदेशिका भारती मधोक ने ऑप्टिमस को उनके समग्र शिक्षा दृष्टिकोण के प्रमाण के रूप में देखते हुए, शिक्षा और खेल दोनों में उत्कृष्टता के लिए सनबीम की प्रतिबद्धता दोहराई।

कस्बा में लगा भीषण जाम, परेशान रहे लोग

प्रखर जौनपुर। वाराणसी-अयोध्या नेशनल हाइवे मार्ग पर स्तिथ खेतासराय कस्बा मंगलवार की अपराह्न भीषण जाम के चपेट में आ गया। जाम के झाम में यातायात ऐसी फंसी की वापस घर लौट रहे स्कूली बस के बच्चें बिलबिला उठे। मजिस्ट्रेट, शाहगंज कोतवाल और एम्बुलेंस के भी पहिये रुक गए। मुख्य पिकेट पर तैनात पुलिस नदारत रही। लगभग डेढ़ घण्टे बाद पहुँचे दो उपनिरीक्षक और पुलिस कर्मियों ने जाम को हटाने का प्रयास किया। पाँच बजे तक यातायात व्यवस्था धवस्त रही। दरअसल कस्बा में मंगलवार अपराह्न 3 बजे अचानक भीषण जाम के चपेट में आ गया। चूंकि यूनियन बैंक के पास एक दुकानदार द्वारा अपनी गाड़ी खड़ी करके समान गोदाम में उतारा जा रहा था, दूसरा जाम का कारण यह रहा की बैंक के आसपास आधा दर्जन चार पहिया वाहन मुख्य मार्ग के दोनों किनारे पर खड़े थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर जाकर वहां फंस गया पहले तो ट्रैक्टर चालक ने अपना वाहन निकालने का प्रयास किया तो वहां मौजूद कुछ दुकानदार उससे उलझ गए। जिस से कस्बा भीषण जाम के चपेट में आ गया । स्टेशन गली के नुक्कड़ पर खुलेआम जाम लगा रहता है ऐसी ही स्थिति जोगियन मोहल्ले में है, यहां कस्बे के आधा दर्जन कबाड़ के दुकानदारों द्वारा मुख मार्ग पर ट्रक खड़ी करके सामानों को लोड किया जाता है। मंगलवार को जोगियाना मोहल्ले में एक कबाड़ी की ट्रक लोड हो रही थी इसी के चलते जाम और अपने चरम पर पहुंच गया। शाम 4:30 बजे तक लोग जाम

का दंश झेलते रहे। खासकर स्कूल से लौट रहे स्कूली बस में नन्हें मुन्ने बच्चे काफी व्याकुल रहे। राहगीरों तक को पैदल चलना मुश्किल हो गया था। मामला की जानकारी उच्चाधिकारियों को हुई तो उपनिरीक्षक मंहगू यादव के नेतृत्व में आधा दर्जन से ज्यादा पुलिस कर्मियों ने जाम को खत्म कराया। पुलिस को यातायात व्यवस्था पटरी पर लाने के लिए पसीने छूट गए।

पूर्व सीएम मुलायम सिंह की जयंती मनाई गई

प्रखर जौनपुर। सिद्धिकपुर के गुलाबी देवी महाविद्यालय परिसर में बुधवार को देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। इसमें सपा के वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव सभी समाज के नेता थे वह सभी समाज के लिए वह लड़ाई लडे । किसानो पिछड़ों दलितो के लिए भी उन्होंने लड़ाई लड़ी। नेताजी ने कभी किसी धर्म समाज के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। देश के रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने रक्षा क्षेत्र में बहुत काम किया। नेता जी ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा में ही लगा दिया। सर्व समाज के लिए उन्होंने बिजली पानी शिक्षा स्वास्थ्य चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत काम किए। उनका विपक्षी नेता लोग भी बड़ा सम्मान करते थे। करंजाकला ब्लाक इकाई के अध्यक्ष अशोक यादव ने उनके निदान करने के लिए बहुत काम किया। सेक्टर प्रभारी दारा सिंह चौहान ने कहा कि वह किसानों के लिए काम किया और किसानो की फसलो की सिंचाई माफ करना

जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा की रक्षा क्षेत्र में भी उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। वह बेरोजगारों पर ध्यान देते थे, वह शिक्षा व्यवस्था और छात्रों की समस्या शिक्षकों की समस्या का उन्हें की देन है। इस अवसर पर सुरेंद्र यादव, रंग बहादुर चौहान, मुकेश कश्यप, बांके लाल यादव ,जितेंद्र यादव, रामनयन, रामनरेश, रोहित पाल ,चंदन यादव, आशीष कुमार,रमेश शुक्ला मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव (नेताजी) के 85 वीं जंयती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्ययता में पूर्व मुख्यमंत्री स्वं मुलायम सिंह यादव(नेताजी)के 85 वीं जंयती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम नेताजी के चित्र पर उपस्थित लोगों पुष्पांजलि अर्पित किया। उसके बाद दिव्यांग एवं विकलांग बच्चों को स्वेटर,स्कूल बैग,पेंसिल बॉक्स वितरण किया गया बच्चों के चेहरे पर खुशहाली छा गया। उसके बाद मुशायरे का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख शायर अहमद अजीज गाजीपुरी,अकरम जौनपुरी,नासिर, मोनीस,डां प्रमोद वाचस्पति,शाजिद अलीम को साल भेट किया गया। वही शायरों के कलाम की खूब चर्चा रही। "ना नफरतों मे ठेलों और ना फसादी बनों, अगर समाज है प्यारा समाजवादी बनों" "देश वासियों से जो भी कहा मुलायम ने वादये वफा पुरा वो किया मुलायम ने" " सन उनतालीस में उतरा था आसमान से तारा, सैफई की पावन धरती का था

वह राज दुलारा, नाम मुलायम आज भी अहमद राजनीति पर भारी नेताजी तो अमर हो गए ऐसी खेली परी"। वहीं नेताओं ने अपने संम्बोधन मे नेताजी के जीवनी पर चर्चा करते हुए कहा नेता जी कहते थे। समाजवादी पार्टी ऐसा समाज बनाना चाहती हैं जो किसी की कृपा पर न रहें अपने पैरों पर खडा हो किसी के सामने उसे कभी सर और हाथ ना फैलाना पडे. और ना सर झुकना पडे.ये समाजवादी का कार्य है। समाजवादी पार्टी एक आंदोलन है एक आँधी है एक सैलाब है जो इस देश के एकता अंखडता में अवरोध पैदा करेगा उसे जड़ मूड से उखाड़ फेंकने का काम करेगी उसका नाम समाजवादी पार्टी हैं । जंयती के अवसर पर मुख्य रूप से विधायक तूफानी सरोज, लल्लन प्रसाद यादव, लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, राकेश मौर्या लालचंद यादव, रुक्सार अहमद, राहुल त्रिपाठी,हिरालाल विश्कर्मा,राममूर्ति सरोज राजेन्द्र टाइगर, संजय राजभर,श्रवण जयसवाल, इर्शाद मंसूरी,भगौती सरोज,अनील दूबे गामा सोनकर, सुभाष पाल,डां जंगबहादुर यादव, नन्नलाल यादव, विनय यादव,राम इकबाल, रामू मौर्या, घनश्याम यादव,प्रवीण सरोज,श्याम नरायन बिन्द,डां विनोद शर्मा अनवारुल गुड्डू,शिवजीत समाजवादी, गुड्डू सोनकर,शर्मिला यादव,शकील मंसूरी, कमालुद्दीन अंसारी तारा त्रिपाठी, सीमा खान, मालती निषाद, अन्नपूर्णा देववंशी,रूबी बिन्द, सोनी सेठ,अखिलेश यादव,संचालन निवर्तमान महासचिव अखड प्रताप यादव ने किया।

पुरूष नसबन्दी पखवाड़ा शुरू

प्रखर मिजार्पुर। जिले में पुरूष नसबन्दी पखवाड़ा शुरू हो चुका है। यह पखवाड़ा 4 दिसम्बर तक चलेगा। यह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर छोटे लाल वर्मा ने दी है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर छोटे लाल वर्मा ने बताया कि जनसंख्या विस्फोट की दिक्कतों के बीच आबादी पर नकेल कसने के अभियान में महिलाओं की अपेक्षा पुरूष की सहभागिता बहुत ही कम होती है। पुरूष आज के दौरान में भी नसबन्दी कराने से भागते है। इसलिए पखवाड़े के दौरान नसबन्दी कराने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में विभाग की ओर से 3000 रुपए भी दिये जायेगा। पिछले वर्ष 20 पुरूषों ने नसबन्दी कराकर अपनी सहभागिता को दर्ज कराया। 01 अप्रैल 2023 से अब तक 56 पुरूषों ने ही नसबन्दी कराया है। जिले की महिलाएं परिवार नियंत्रण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्ज करा रही है पर पुरूष अपने अनेक भ्रान्तियों की जाल में फंसकर इससे किनार करते रहते है। परिवार नियंत्रण कार्यक्रम में यह चिंता का विषय बना हुआ है। पुरूष वर्ग को जागरूक करने के साथ ही साथ परिवार नियोजन के अभियान में उनकी हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए पुरूष नसबन्दी पखवाड़ा दो चरणों में चलाया जायेगा। प्रथम चरण के अभियान में दम्पत्तियों से सम्पर्क होगा और दूसरे चरण में नसबन्दी करने का अभियान चलाया जायेगा।

परिवार नियोजन विशेषज्ञ ने बताया कि पुरूष पखवाड़ा में जिले के 2043 आशा कार्यकर्ता 564 एएनएम व 2000 आंगनबाड़ी कार्यकताओं समेत 3 हजार स्वास्थ्य कर्मियों को भी लगाया गया है। विभाग की ओर से थीम को सफल बनाने का शत प्रतिशत प्रयास किया जायेगा।

सोंच बदलने की आवश्यकता करें पहल – भारत एक ऐसा देश है जहां पर 1950 ई0 से ही परिवार नियोजन सम्बन्धी कार्य को शुरू किया गया। फिर भी जनसंख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। परिवार नियोजन के विषय पर सबकी सोच बदलने की आवश्यकता है और पुरूष वर्ग में चल रहे अनेको भ्रम से जागरूक करकर इसमें हिस्सेदारी निभाने के लिए एक सार्थक प्रयास करना होगा।

संक्षिप्त खबरें

विदुषी को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार की निवासी वह जनपद की प्रतिभावान गायिका विदुषी वर्मा को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांव वडनगर में गुजरात स्टेट संगीत नाटक अकादमी, गांधीनगर द्वारा आयोजित ताना-रीरी संगीत महोत्सव 2023 में देश के जाने-माने कलाकारों के बीच गायन प्रस्तुत किया। विदुषी ने सर्वप्रथम राग केदार में विलंबित एकताल में चांदनी रात हे री माई, मध्यालय तीन ताल में खिल रही चांदनी कैसी एवं द्रुतलय तीन ताल में मिलन को चलत नार कर श्रृंगार तत्पश्चात ठुमरी कैसे कटे दिन रैन एवं भजन सुनाकर उपस्थित हजारों सुधी श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। विदुषी के साथ हारमोनियम पर दीपेश सुथार एवं तबले पर राकेश वाणी ने सुमधुर संगत प्रदान की। कार्यक्रम के आरंभ में विदुषी को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल एवं संस्कृति मंत्री मुलु भाई पटेल ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने विदुषी की प्रतिभा को सराहा एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विदित हो कि विदुषी सनबीम इंग्लिश स्कूल भगवानपुर की कक्षा 11वीं की छात्रा है। विदुषी देश के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित देवाशीष डे के देख-रेख में संगीत की शिक्षा ले रही है।

सहकारी समिति पर दर से अधिक दाम लेने पर किसान भड़के

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के हिरामनपुर सहकारी समिति पर बुधवार को ऊंचे दामों पर डीएपी खाद की बिक्री करने पर किसानों ने जमकर हंगामा किया। लेकिन सचिव के ऊपर कोई प्रभाव नही पड़ा। जिसपर किसानों ने एसडीएम से शिकायत की। बुधवार को दर्जनो की संख्या में उक्त सहकारी समिति पर किसान डीएपी खाद लेने पहुचे लेकिन 350 की जगह 360 रुपये लेने पर किसान भड़क गए। घण्टेभर चली शिकायत के बाद भी सचिव विनोद दुबे द्वारा सरकारी दर पर उर्वरक न देने पर कुछ किसान तहसील पिंडरा पहुँचे लेकिन एसडीएम के न मिलने पर कार्यालय को शिकायती पत्र देकर लौट गए। किसानों ने इसके अलावा ट्विटर व व्हाट्सअप के जरिये अधिकारियों से शिकायत की। कटौना किसान सौरभ सिंह ने बताया कि 360 रुपये न देने पर सीधे किसानों को भगा दिया जा रहा है। कुछ किसान दूर के होने के कारण ऊंचे दामों पर खाद लेकर घर लौटे।

मीराशाह बाबा का सालाना उर्स आज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्र प्रसिद्ध मीराशाह बाबा के मजार लगने वाला सालाना उर्स 23 नवम्बर गुरुवार को होगा । जिसमें चादर गागर की रश्म के अलावा कौवाली का भी मुकाबला होगा ।जिसमें फैजाबाद के कौवाल शाकिब साबरी और जौनपुर की गुड़िया परवीन शिरकत करेंगी। यह जानकारी दरगाह कमेटी के इकबाल उर्फ चिरागन ने दी।

यातायात नियमों को लेकर जागरुकता बढ़ाने हेतु यातायात पुलिस द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी यातायात केशवनाथ के पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात परमहंस द्वारा आमजनमानस में यातायात जागरुकता बढ़ाने हेतु कृषक औद्योगिक पाल इंटरमीडिएट कॉलेज हरिहरपुर, ऋषिकुल विद्यापीठ, सिटी पब्लिक स्कूल के अध्यापको की उपस्थिति में यातायात जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला के माध्यम से सड़क सुरक्षा को अपनाने के लिए छात्रों को जागरूक किया गया। यातायात पुलिस द्वारा सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं के रोकथाम करने के क्रम में लोगों को यातायात के नियमों के बारें में जागरुक करते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड़ से न चलाने के साथ लोगों से अपील किया गया की वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने की भी अपील की गयी। इस दौरान कृषक औद्योगिक पाल इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधान अध्यापक भूपेंद्र कुमार, अध्यापक अनिल कुमार पासवान, दिलीप कुमार सिंह, श्रीमती पूनम, ऋषिकुल विद्यापीठ के श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव अध्यापक दिव्या ज्योति श्रीवास्तव, सुधांशु पांडे,आशुतोष त्रिपाठी व यातायात पुलिस के उ0नि0 यातायात श्री वीरल पासवान, हे0कां0 सुरेंद्र प्रसाद, कां0 मयंक पाठक आदि उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं